Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 123
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

लखनऊ-मंगलवार,02 सितम्बर 2025

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 सभी किसानों को मिलेगी खाद,बटाईदार भी शामिल

4 ट्रंप टैरिफ चुनौती के बीच अर्थव्यवस्था की ताकत

5 बिग बॉस: कुनिका सदानंद से छीनी गई कैप्टेंसी

पारदर्शिता बढ़ाने को शीघ्र लागू होगा नया सोसाइटी पंजीकरण एक्ट: सीएम

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के स्थान पर उत्तर प्रदेश में नया कानून लागू किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि सोसाइटी के अधिनियम में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने, निष्क्रिय अथवा संदिग्ध संस्थाओं के निरस्तीकरणध्विघटन और संपत्ति के सुरक्षित प्रबंधन, तथा सदस्यता, प्रबंधन और चुनाव संबंधी विवादों के समयबद्ध निस्तारण के स्पष्ट प्रावधानों का अभाव है। इसी प्रकार, वित्तीय अनुशासन के लिए ऑडिट, निधियों के दुरुपयोग पर नियंत्रण और संपत्ति प्रबंधन से संबंधित नियम भी पर्याप्त नहीं हैं। ऐसे में यह आवश्यक है कि व्यावहारिकता का ध्यान रखते हुए युगानुकूल सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम लागू किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसमें ऐसे प्रावधान किए जाने चाहिए, जो पारदर्शिता, जवाबदेही और सदस्य हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट हो या सोसाइटी, कुछ लोगों की कुत्सित मानसिकता के चलते संस्थाओं की संपत्तियों की मनमानी रूप में पंजीकृत संस्थाओं के पंजीकरण, नवीनीकरण तथा उनकी संपत्तियों के पारदर्शी प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए युगानुकूल और व्यावहारिक प्रावधान किए जाने चाहिए। सीएम योगी ने कहा, वर्तमान बिक्री न हो, यह रोकने के लिए ठोस व्यवस्था की जानी चाहिए। विवाद की स्थिति में प्रशासक नियुक्त किये जाने को अनुपयुक्त बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी संस्था कैसे संचालित होगी, यह प्रबंध समिति ही तय करे। सरकार अथवा स्थानीय प्रशासन की ओर से संस्थाओं के आंतरिक कामकाज में न्यूनतम हस्तक्षेप ही होना चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में वर्तमान में लगभग आठ लाख से अधिक संस्थाएँ पंजीकृत हैं, जिनकी गतिविधियां शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक समरसता, ग्रामीण विकास, उद्योग, खेल आदि अनेक क्षेत्रों से जुड़ी हुई हैं। इसलिए उनके संचालन, सदस्यता, चुनाव और वित्तीय अनुशासन से जुड़ी व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा किया कि निष्क्रिय अथवा संदिग्ध संस्थाओं के विघटन, निरस्तीकरण और संपत्ति के सुरक्षित प्रबंधन के लिए अधिनियम में ठोस प्रावधान होना चाहिए। साथ ही सदस्यता विवाद, प्रबंधन समिति में मतभेद, वित्तीय अनियमितताओं तथा चुनाव संबंधी विवादों के त्वरित और समयबद्ध निस्तारण की व्यवस्था की जानी उचित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजीकरण और नवीनीकरण की प्रक्रिया ऑनलाइन, केवाईसी आधारित और समयबद्ध होनी चाहिए। वित्तीय लेन-देन की जवाबदेही तथा लेखा-परीक्षा की प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। नए कानून को यथाशीघ्र तैयार करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी आवश्यक प्रावधान इस प्रकार तैयार किए जाएँ, जिससे प्रदेश की पंजीकृत संस्थाएँ समाजोपयोगी कार्यों को और प्रभावी ढंग से संपादित कर सकें तथा पारदर्शिता और सुशासन की भावना को आगे बढ़ा सकें।

खटीमा गोलीकांड के शहीदों के हमेशा ऋणी रहेंगे उत्तराखंडवासी : धामी

ऊधम सिंह नगर (एजेंसी)। सोमवार को मुख्यमंत्री धामी ने खटीमा में शहीद स्मारक स्थल पर राज्य आंदोलन के दौरान शहीद आंदोलन कारियों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। मुख्यमंत्री ने शहीदों के परिजनों नानक सिंह, नरेंद्र चंद,जगत सिंह, अनिल भट्ट, शरीफ अहमद को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आज का दिन उत्तराखंड राज्य आंदोलन के दौरान खटीमा गोलीकांड में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर बलिदानियों भगवान सिंह सिरौला, प्रताप सिंह, रामपाल, सलीम अहमद, गोपीचंद, धमानंद भट्ट और परमजीत सिंह को स्मरण करने का है। उत्तराखंड का हर नागरिक इन सभी वीर सपूतों का हमेशा सदैव ऋणी रहेगा। सोमवार को मुख्यमंत्री धामी ने खटीमा में शहीद स्मारक स्थल पर राज्य आंदोलन के दौरान शहीद आंदोलनकारियों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। मुख्यमंत्री ने शहीदों के परिजनों नानक सिंह, नरेंद्र चंद,जगत सिंह, अनिल भट्ट, शरीफ अहमद को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कि एक सितंबर 1994 को खटीमा गोलीकांड ने लोगों को उत्तराखंड के अधिकारों की लड़ाई को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सरकार राज्य आंदोलनकारियों के आदर्शों और उनके सपनों को साकार करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

लगातार बढ़ रहा दिल्ली में यमुना का जलस्तर, स्थानीय लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है और मंगलवार शाम तक इसके 206 मीटर के निकासी चिह्न तक पहुंचने का अनुमान है, जिसके मद्देनजर प्राधिकारियों ने बाढ़ क्षेत्र में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों की ओर जाने की सलाह दी है। हथिनीकुंड बैराज से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण सोमवार दोपहर 12 बजे पुराने रेलवे पुल (ओआरबी) पर यमुना का जलस्तर 204.87 मीटर तक पहुंच गया। दिल्ली के लिए चेतावनी का निशान 204.50 मीटर और खतरे का निशान 205.33 मीटर है और जलस्तर 206 मीटर पहुंचने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना शुरू कर दिया जाता है। पुराना रेलवे पुल नदी के प्रवाह और संभावित बाढ़ के खतरों पर नजर रखने के लिए एक प्रमुख अवलोकन बिंदु के रूप में कार्य करता है।

बॉम्बे हाईकोर्ट में मराठा आरक्षण आंदोलन पर विशेष सुनवाई होगी

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट में मराठा आरक्षण आंदोलन को लेकर आजाद मैदान में जारी प्रदर्शन के खिलाफ याचिका दायर की गई है। कोर्ट इस पर विशेष सुनवाई करेगा। याचिकाकर्ता ने कहा कि प्रदर्शन में हजारों लोग शामिल हैं। इससे पूरा शहर अस्त-व्यस्त हो गया है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि मनोज जरांगे के नेतृत्व वाला विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण नहीं है और इसमें सभी नियमों का उल्लंघन किया गया है। पूरा शहर ठप हो गया और दक्षिण मुंबई के महत्वपूर्ण स्थानों को प्रदर्शनकारियों ने घेर लिया। कोर्ट ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार नवी मुंबई में जगह दे सकती है। हाईकोर्ट ने 26 अगस्त को कहा था कि किसी प्रदर्शन के लिए सार्वजनिक जगह का अनंत समय के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। प्रदर्शन के लिए पहले अनुमति लेनी होगी। मनोज 29 अगस्त से ओबीसी कोटे में 10 प्रतिशत मराठा आरक्षण की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर हैं। उन्होंने ने कहा कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होगी, वे वापस नहीं जाएंगे।

चीन के सामने झुकने वाला मोदी का वक्तव्य चिंताजनक: जयराम रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चीन में दिए बयान पर तीखा हमला करते हुए इसे चीन के सामने झुकने वाला वक्तव्य बताया और कहा कि इससे स्वघोषित 56 इंच की छाती की असलियत दुनिया के सामने आ गई है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सोमवार को यहां एक बयान में कहा कि भारत लंबे समय से चीन पर आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मानदंड और दोहरी भाषा बोलने का आरोप लगाता रहा है लेकिन अब प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग से कहा है कि भारत और चीन, दोनों आतंकवाद के शिकार हैं। पार्टी ने कहा कि जिस तरह से मोदी ने चीन को अपने साथ आतंकवाद पीड़ित देश की श्रेणी में रखा है उससे यह साफ हो गया है कि चीन के आतंकवाद को लेकर उसके दोहरे रूप को भारत ने नजरअंदाज कर दिया है और इसे भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने इसे चीन के सामने झुकने वाला बयान बताया और कहा अगर यह तथाकथित हाथी का तथाकथित ड्रैगन के आगे झुकना नहीं है, तो फिर क्या है। इससे भी ज्यादा राष्ट्र- विरोधी बात यह है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन और पाकिस्तान की जुगलबंदी के बारे में प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र पति शी जिनपिंग के साथ बातचीत में एक शब्द तक नहीं कहा-जबकि इसका खुलासा खुद भारतीय सेना के शीर्ष अधिकारियों ने किया था। पवन खेड़ा कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री पर हमला करते हुए कहा कि स्वघोषित 56 इंच सीने वाले नेता अब पूरी तरह से बेनकाब हो चुके हैं। उन्होंने 19 जून, 2020 को चीन को क्लीन चिट देकर राष्ट्रहित के साथ विश्वासघात किया। अब, 31 अगस्त, 2025 भी तियानजिन में उनके बयान को बदनामी के दिन के रूप में याद किया जाएगा।

सीएम नीतीश कुमार का ब्रह्मास्त्र: महिलाओं को रोजगार के लिए 10 हजार की सौगात

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार की महिलाओं के उत्थान के लिए कई बड़े फैसले लिए हैं। इस बार सीएम नीतीश ने महिलाओं को एक नया तोहफा दिया है। महिलाओं को रोजगार करने के लिए नीतीश कैबिनेट ने एक नई योजना मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की मंजूरी दी है। इस योजना के तहत अब अपना रोजगार शुरू करने के लिए बिहार की महिलाओं को 10 हजार रुपए की सहायता राशि मिलेगी जिसे वापस करने की भी कोई जरूरत नहीं है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को अधिक सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे बिहार के विकास में और भी सक्रिय योगदान दे सकें। विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस कदम को एक और बड़ा मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार के हर परिवार की एक महिला को उनकी मनपसंद का रोजगार शुरू करने के लिए आर्थिक सहायता देने का बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत पहली किस्त के रूप में 10 हजार रुपए की राशि सितंबर महीने में पात्र महिलाओं के खाते में जमा कर दी जाएगी। जल्द ही पात्र महिलाओं से आवेदन लेने की प्रक्रिया शुरू होगी। इस योजना को लागू करने की जिम्मेदारी ग्रामीण विकास विभाग को दी गई है। महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों की बिक्री के लिए विशेष हाट-बाजार भी बनाए जाएंगे। इस योजना की खास बात यह है कि 10 हजार रुपए की यह सहायता राशि महिलाओं को वापस नहीं करनी होगी। इसके अलावा, रोजगार को आगे बढ़ाने के लिए अगले 6 महीने के परफॉरमेंस का आकलन किया जाएगा और जिसका परफॉरमेंस अच्छा रहेगा इनको अधिकतम 2 लाख रुपए तक की मदद दी जाएगी। इस पूरी योजना को आगे बढ़ाने में जीविका दीदी की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। इच्छुक महिलाओं से आवेदन प्राप्त करने की प्रक्रिया शीघ्र ही शुरू की जाएगी। इसकी पूरी व्यवस्था और प्रक्रिया का निर्धारण ग्रामीण विकास विभाग द्वारा किया जाएगा, जिसमें नगर विकास एवं आवास विभाग का सहयोग भी लिया जाएगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं के उत्थान से जुड़ी इस योजना को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि, हम लोगों ने नवंबर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही महिला सशक्तिकरण के लिए बड़े पैमाने पर काम किया है महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

पंजाब कांग्रेस ने बाढ़ पर पीएम से मांगी मदद,वड़िंग बोले-राज्य अब इंतजार नहीं कर सकता

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस के प्रधान और लुधियाना से सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर राज्य के लिए तुरंत राहत पैकेज की मांग की है। वड़िंग ने बताया कि पंजाब के सभी 23 जिले बाढ़ से प्रभावित हुए हैं और इससे फसलों से लेकर लोगों की जिंदगी तक को भारी नुकसान हुआ है। वड़िंग ने पत्र में कहा कि पंजाब में आई भयंकर बाढ़ से हुई तबाही पर तुरंत ध्यान देने की आवश्यकता है। प्रभावित जिलों में गुरदासपुर, कपूरथला, अमृतसर, पठानकोट, फतेहगढ़ साहिब, फरीदकोट, पटियाला, होशियारपुर, संगरूर और बटाला सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। अब तक बाढ़ के कारण जान-माल और फसलों का भारी नुकसान हो चुका है। आने वाले कुछ दिनों तक बारिश जारी रहने की संभावना है, जिससे हालात और बिगड़ सकते हैं। बहुत से लोगों को अभी तक सही राहत और मदद नहीं मिल पाई है। गृह मंत्रालय ने स्थिति का जायजा लेने के लिए टीमें बनाई हैं, लेकिन पंजाब को तुरंत मदद की जरूरत है। राजा वड़िंग ने बताया कि अब तक हुए नुकसान का अनुमान हजारों करोड़ रुपए से ज्यादा है। करीब 1300 गांव पूरी तरह डूब चुके हैं और लाखों लोग प्रभावित हैं। फसलें पूरी तरह बर्बाद हो चुकी हैं।

महात्मा गांधी की हत्या करने वाले, अब संविधान का गला घोंटने चाहते है

धन्यवाद बिहार:राहुल

पटना (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने आज पटना में वोटर अधिकार यात्रा को संबोधित करते हुए कहा कि अभी तक हुआ वोट चोरी का खुलासा तो एटम बम था अब आगे जिस खुलासे को उनकी पार्टी सामने लाने वाली है वह हाइड्रोजन बम होगा जिसके बाद चुनाव आयोग और भाजपा मुंह दिखाने लायक नहीं रहेगी। राहुल गांधी ने बिहार में सोमवार को समाप्त हुई वोटर अधिकार यात्रा के समापन समारोह में कहा कि महाराष्ट्र के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के गठबंधन को जीत मिली थी लेकिन चार महीने बाद हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गठबंधन ने उन्हें बुरी तरह हरा दिया। उन्होंने कहा कि ताज्जुब की बात थी कि कांग्रेस गठबंधन के वोट कम नहीं हुए थे लेकिन विपक्षी गठबंधन के वोट काफी बढ़ गए थे। उन्होंने कहा कि बाद में उनकी पार्टी ने जांच की तो पता चला कि महाराष्ट्र में करोड़ों फर्जी वोट भाजपा और चुनाव आयोग कि मिलीभगत से जोड़े गए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि ऐसा ही बेंगलुरु सेंट्रल की एक विधानसभा सीट पर हुआ और हमारी तरफ से जांच की गई तो पता चला कि एक लाख फर्जी वोट जोड़े गए हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि इसके बाद जब बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान 65 लाख वोट काट लिए गए तो चुनाव आयोग की चोरी जगजाहिर हो गयी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों की वोटर अधिकार यात्रा का जन्म यहीं से हुआ। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि जिन शक्तियों ने महात्मा गांधी की हत्या की थी वही अब बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर के संविधान की हत्या करना चाहते हैं।

गांधी के सत्य और अम्बेडकर के संविधान की रक्षा का संकल्प लेगा समापन समारोह : पवन खेड़ा

पटना (एजेंसी)। पटना में इंडिया गठबंधन की समापन पदयात्रा से ठीक पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पवन खेड़ा ने कहा कि यात्रा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सत्य की रक्षा के साथ शुरू हुई थी और भीम राव अंबेडकर के संविधान के संविधान की सुरक्षा की प्रतिज्ञा के साथ खत्म होगी। पवन खेड़ा ने कहा कि बिहार में सम्पन्न हुई वोटर अधिकार यात्रा अब देश भर में क्रांति का स्वरूप लेगी और राहुल गांधी एक पथ प्रदर्शक के रूप में जाने जाएंगे। गौरतलब है कि इंडिया गठबंधन की वोटर अधिकार यात्रा का आज समापन है। इस यात्रा की शुरूआत पटना के गांधी मैदान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की मूर्ति से शुरू हो कर पटना हाई कोर्ट के पास बाबा साहेब अंबेडकर की मूर्ति के पास खत्म होगी, जहाँ राहुल गांधी और अन्य घटक दल के नेताओं के साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कार्यकताओं को संबोधित करेंगे।

बिहार की जनता खूंटा ठोंककर भाजपा को बिहार से भगाने का काम करेगी: तेजस्वी

पटना (एजेंसी)। इंडिया गठबंधन की श्वोटर अधिकार यात्राश का समापन पटना में एक विशाल पैदल मार्च के साथ होने जा रहा है। इसमें गठबंधन के बड़े नेता शामिल हो रहे हैं। इस मार्च में शामिल होने के लिए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पटना पहुंच गए हैं। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव भी इस समापन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आवास से गांधी मैदान रवाना हो गए। इस क्रम में उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि भाजपा का असली चेहरा बिहार और देशभर में उजागर हो चुका है। जिस प्रकार से इन लोगों ने वोट की चोरी कराई है, उसे लोग जान गए हैं। इस बार बिहार की जनता खूंटा ठोंककर इन्हें बिहार से भगाने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि बिहार से पूरे देश में यह संदेश जाएगा। लोकतंत्र और संविधान को जो समाप्त करना चाहते हैं, उन्हें देशभर में करारा जवाब मिलेगा। उन्होंने वोटर अधिकार यात्रा को पूरी तरह सफल बताते हुए कहा कि जिस भी जिले में यह यात्रा गई, वहां जनसैलाब देखने को मिला। लोगों का पूरा समर्थन मिला, बिहार के लोगों का आशीर्वाद मिला। उन्होंने इस समर्थन के लिए लोगों का आभार जताया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव के नेतृत्व में निकाली गई।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की बिक्री के खिलाफ जनहित याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को उस जनहित याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें देश भर में 20 प्रतिशत इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी-20) बेचने की शुरूआत को चुनौती दी गई थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि लाखों वाहन चालक ऐसे ईंधन का उपयोग करने को मजबूर हैं, जिसे उनके वाहनों के लिए डिजाइन नहीं किया गया है। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ अधिवक्ता अक्षय मल्होत्रा ??द्वारा दायर याचिका में उठाए गए तर्कों से सहमत नहीं हुई। याचिका में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय को सभी ईंधन स्टेशनों या पेट्रोल पंप पर इथेनॉल-मुक्त पेट्रोल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश देने की मांग की गई थी। केंद्र की ओर से अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने याचिका का विरोध करते हुए दावा किया कि ई20 ईंधन गन्ना किसानों के लिए फायदेमंद है। उन्होंने कहा, मैं जिम्मेदारी के साथ यह बात कह रहा हूं कि याचिकाकर्ता (मल्होत्रा) के तो केवल नाम का इस्तेमाल हो रहा है। इसके पीछे एक लॉबी है। सरकार ने प्रत्येक चीज पर विचार किया है। इसके बाद पीठ ने याचिका खारिज कर दी। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शादान फरासत ने कहा कि पेट्रोल पंपों पर अब केवल ईबीपी-20 ही उपलब्ध होता प्रतीत हो रहा है, वह भी बिना किसी सूचना के। उन्होंने कहा कि ईबीपी-20 इसके अनुरूप निर्मित वाहनों के लिए समस्या नहीं है। फरासत ने कहा, लेकिन बड़ी संख्या में वाहनों का निर्माण इसके अनुरूप नहीं किया गया है। याचिका में अधिकारियों को सभी पेट्रोल पंपों और वितरण इकाइयों पर इथेनॉल की मात्रा का लेबल अनिवार्य रूप से लगाने का निर्देश देने की भी मांग की गई थी, ताकि यह उपभोक्ताओं को स्पष्ट रूप से दिखाई दे, और यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जाए कि ईंधन वितरण के समय उपभोक्ताओं को अपने वाहनों की इथेनॉल अनुकूलता के बारे में सूचित किया जाए। याचिका में कहा गया था कि अधिकारियों को गैर-अनुपालन वाले वाहनों में 20 प्रतिशत उपयोग की सीमा तक इथेनॉल मिश्रित ईंधन के कारण यांत्रिक क्षरण और दक्षता हानि पर एक राष्ट्रव्यापी प्रभाव अध्ययन करने का निर्देश दिया गया था।

भारतीय रेल एवं एसबीआई के बीच एम.ओ.यू. (Railway Salary Package-RSP)

गोरखपुर : वर्तमान में रेलवे कर्मचारी केंद्रीय सरकारी कर्मचारी समूह बीमा योजना (CGEGIS) के अंतर्गत कवर हैं, जिसके अंतर्गत सेवा के दौरान मृत्यु होने पर ग्रुप C कर्मचारियों को 30 हजार रुपये, ग्रुप B को 60 हजार रुपये तथा ग्रुप A को 1.20 लाख रुपये का बीमा कवर मिलता है। अधिकतम कार्यबल/फ्रंटलाइन रेलवे कर्मचारी ग्रुप C श्रेणी में आते हैं। मात्र 30 हजार रुपये का बीमा कवर उनके आश्रितों को वित्तीय सहयोग देने के लिए अपर्याप्त माना जाता है। प्रस्तावित एम.ओ.यू. के अंतर्गत एसबीआई में रेलवे सैलरी पैकेज खाता धारकों को बिना कोई प्रीमियम दिए तथा केवल एसबीआई में वेतन खाता होने पर 1 करोड़ रुपये का बीमा सुरक्षा (ड्यूटी पर एवं ड्यूटी के बाहर, दोनों ही परिस्थितियों में आकस्मिक मृत्यु पर) प्राप्त होगी। वर्तमान में लगभग 7 लाख रेलवे कर्मचारियों के खाते एसबीआई में हैं। एम.ओ.यू. कार्यक्रम के दिन 1 करोड़ रुपये की बीमा राशि के सात चेक नामांकित लाभार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से वितरित

किए जाएंगे। प्रतीकात्मक चेक एसबीआई के चेयरमैन द्वारा प्रदान किए जाएंगे। हाल ही में (अगस्त 2025 के अंतिम सप्ताह में) 1-1 करोड़ रुपये के 4 दावे वितरित किए जा चुके हैं। प्राकृतिक मृत्यु की स्थिति में, कर्मचारी को 10 लाख रुपये का बीमा कवर मिलेगा, जिसके लिए न तो कोई प्रीमियम देना होगा और न ही कोई चिकित्सीय परीक्षण आवश्यक होगा, केवल एसबीआई में वेतन खाता होना पर्याप्त है। रेलवे सैलरी पैकेज के अंतर्गत मिलने वाले सभी लाभ, रेलवे कर्मचारियों को उपलब्ध अन्य सरकारी योजनाओं/बीमा योजनाओं/पॉलिसियों के अतिरिक्त होंगे।

मुख्य लाभ :

(क) निःशुल्क बीमा कवर

व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा (मृत्यु) कवर : 1.00 करोड़

वायु दुर्घटना बीमा (मृत्यु) कवर : 1.60 करोड़ + रूपे डेबिट कार्ड पर अतिरिक्त 1.00 करोड़

व्यक्तिगत दुर्घटना (स्थायी पूर्ण विकलांगता) कवर : 1.00 करोड़

व्यक्तिगत दुर्घटना (स्थायी आंशिक विकलांगता) कवर : अधिकतम 80 लाख

ग्रुप टर्म लाइफ इंश्योरेंस (मृत्यु) : 10 लाख

रेलवे पेंशनर्स हेतु व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा (मृत्यु) : 30 लाख

4 पारिवारिक सदस्यों हेतु व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा (एसबीआई रिश्ते खाताझ प्रत्येक 5 लाख, अधिकतम) : 20 लाख

अतिरिक्त कवर :

बाल शिक्षा बीमा कवर (दुर्घटना मृत्यु पर) : लड़का 8 लाख, लड़की 10 लाख

कन्या विवाह बीमा कवर (1825 वर्ष) : ?10 लाख (यदि दो पुत्रियाँ हैं तो प्रत्येक को 5 लाख)

(II) बैंकिंग एवं लेन-देन संबंधी लाभ

4 पारिवारिक सदस्यों हेतु रङकरिश्ते पारिवारिक बचत खाता विशेष सुविधाओं सहित।

व्यक्तिगत, गृह, वाहन एवं शिक्षा ऋण पर आकर्षक ब्याज दरें तथा प्रोसेसिंग शुल्क पर 50% से 100% तक की छूट।

लॉकर किराया पर 50% तक छूट (वेतन खाता धारक एवं उनके 4 पारिवारिक सदस्यों के लिए)।

जीरो बैलेंस आवश्यकता एवं असीमित निःशुल्क एटीएम लेन-देन (किसी भी बैंक के एटीएम पर)।

ऑटो स्वीप / e-MOD सुविधा : अतिरिक्त धनराशि को स्वतः बहु-विकल्पीय जमा में स्थानांतरित कर अधिक ब्याज।

निःशुल्क डिमांड ड्राफ्ट, मल्टी-सिटी चेक, एसएमएस अलर्ट तथा ठएत्र्छ/फ्ळत्र्ऋ पर शून्य शुल्क।

एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस (घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय) झ प्रति तिमाही 3 निःशुल्क यात्राएँ डेबिट कार्ड पर।

ऑनबोर्डिंग के समय डीमैट एवं ऑनलाइन ट्रेडिंग खाता उपलब्ध।

4 सदस्यीय परिवार (2 वयस्क + 2 बच्चे) हेतु मात्र ?800 वार्षिक प्रीमियम (?2.20 प्रतिदिन) पर 30 लाख तक स्वास्थ्य बीमा कवर।

नोट :

यह प्रस्तावित व्यवस्था पूर्णतया स्वैच्छिक है और केवल एसबीआई खाता धारक रेलवे कर्मचारियों पर लागू होगी। रेलवे प्रशासन अन्य बैंकों के साथ भी इसी प्रकार की/और अधिक आकर्षक योजनाओं के लिए समझौता कर सकता है।

पवन ने ई-रिक्शे से गर्दन और धड़ को गंगापुल में फेंका था, डौनी लेकर आया था बोरा

कानपुर। कानपुर में एक युवक की प्रेम प्रसंग में बर्बरता से हत्या कर दी गई। मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चकेरी पुलिस ने ऋषिकेश उर्फ सोना की हत्या का खुलासा कर आरोपी मोगली उर्फ प्रिंस,

निखिल, आकाश उर्फ आलू और रिशु वर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि हत्या में मुख्य आरोपी पवन, उसका भाई बॉबी, सत्यम और डौनी फरार हैं। डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि पवन की बहन से मृतक के प्रेम संबंध थे। निखिल, मोगली बहाने से ऋषिकेश को बुलाने के बाद काकोरी जंगल ले गए। जहां आरोपियों ने उसकी गला काटकर हत्या कर दी। पवन ने ई-रिक्शे से धड़ और गर्दन को अलग कर गंगापुल से नीचे फेंक दिया था। फरार आरोपी डौनी बोरा लेकर आया था। पुलिस फरार चल रहे चारों आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है।

छात्र-अध्यापक मिलकर विद्यालयों को बनाएंगे हरा भरा

बस्ती। परिषदीय विद्यालयों में अब पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक कर उन्हें प्रकृति के करीब रहने के फायदे भी बताए जाएंगे। इको क्लब के माध्यम से बच्चों को हरियाली का महत्व बताया जाएगा। छात्र और अध्यापक मिल कर विद्यालय परिसर को हरा भरा बनाएंगे साथ ही प्रकृति के बारे में जानकारी हासिल कर सकेंगे। अब विद्यालयों में इको क्लब की गतिविधियां बढ़ाई जाएंगी। जिले के सभी परिषदीय विद्यालयों में इको क्लब का गठन पहले ही किया जा चुका है। इस क्लब में स्कूल के अध्यापकों के साथ बच्चों को भी शामिल किया गया है। स्कूलों में बच्चों की संख्या के अनुरूप 10 से 15 बच्चों को इस क्लब में शामिल किया जाता है। यही बच्चे विद्यालयों में अध्यापक की देखरेख में पौधे लगाते हैं। विद्यालय परिसर में जगह अधिक होने पर किचन गार्डन भी बना सकते हैं। इसका प्रयोग मिड-डे मील में किया जा सकता है। इन पौधों की देखरेख का जिम्मा भी इस क्लब के पास होता है। जो बच्चे इसमें रुचि रखते हैं उन्हें पौधों की देख भाल का जिम्मा दे दिया जाता है और इस देखभाल में अध्यापक उनकी मदद करते हैं। बीएसए अनूप कुमार ने बताया कि इको क्लब का मुख्य कार्य विद्यालयों को हरा भरा बनाना तो है ही साथ ही इसका कार्य वहां पढ़ने वाले बच्चों को प्रकृति के करीब ले जाना भी है। पौध रोपण से बच्चों में प्रकृति के प्रति रुचि जगती है। साथ ही उन्हें जीवन में पेड़ों का महत्व भी बताया जाता है। उन्होंने कहा कि बच्चों में पर्यावरण के प्रति रुचि जगाने के लिए अन्य तरह के भी आयोजन किये जाते हैं। जिसमें बच्चों से स्लोगन लिखवाए जाते हैं।

मुंबई से लौटे युवक का गौर में रेल की पटरी पर मिला शव

बस्ती। मुंबई से लौट रहे युवक का शव रेलवे ट्रैक पर पाया गया है। रविवार को दोपहर करीब 2:30 बजे गौर रेलवे स्टेशन से पूरब ओवरब्रिज के निकट चकचई गांव के पास अप लाइन पर शव मिलने की सूचना स्टेशन मास्टर के मेमो से मिली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त कराने में जुट गई। जेब से मिले मोबाइल से उसकी पहचान कप्तानगंज थाना के बैदोलिया अजायब गांव के दीपक यादव (28) पुत्र रामकृपाल के रूप में हुई है। युवक के मामा श्याम नवल यादव ने बताया कि दीपक और उसके पिता मुंबई में अलग-अलग जगह मजदूरी करते थे। मुंबई से घर वापस आ रहा था। कैसे वह ट्रेन की चपेट में आ गया, यह बात परिवार के सदस्यों को कुछ समझ में नहीं आ रहा है। प्रभारी निरीक्षक गौर परमाशंकर यादव ने बताया कि परिजन पहुंच गए हैं।

दूध व्यापारी की जहर खाने से मौत

बस्ती। गौरा में दूध का व्यवसाय करने वाले 60 वर्षीय किसान ने रविवार को जहरीला पदार्थ खा लिया। जिला अस्पताल मेडिकल कॉलेज ले जाते समय रास्ते में ही माता प्रसाद सिंह की मौत हो गई। इसी थानाक्षेत्र के गौरा निवासी माता प्रसाद सिंह (60) पुत्र राजधारी सिंह पशु पालन के साथ दूध का व्यवसाय करते थे। बताया जा रहा है कि वह रविवार को गायघाट बाजार में दूध पहुंचाने गए थे। परिवार के लोगों के मुताबिक लौटने के बाद कोई जहरीला पदार्थ खा लिए, जिससे उनकी हालत बिगड़ने लगी तो तत्काल निजी वाहन से जिला चिकित्सालय ले जाया गया।

चाचा को जेल भेजने की घुड़की देकर युवक से एक लाख की ठगी

बस्ती। साइबर अपराधियों ने सोनहा थाना क्षेत्र के व्यक्ति को फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर एक लाख रुपये का चूना लगा दिया। जालसाज ने पीड़ित को फोन कर बताया कि उनके चाचा को गलत काम में पकड़ लिया गया है। उन्हें जेल भेजने की धमकी देकर एक लाख रुपये खाते में मंगा लिया। अमरौली शुमाली टोला बरहपुर निवासी अजय सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 26 जून को शाम करीब पांच बजे उनके मोबाइल पर एक फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को एक पुलिस अधिकारी बताते हुए कहा कि तुम्हारे चाचा शिवकुमार सिंह को गलत काम में पकड़ लिया है। अगर उन्हें बचाना चाहते हो तो एक लाख रुपये खाते में भेज दो। इसके बाद जालसाज ने दो अलग-अलग मोबाइल नंबर भेज कर ऑनलाइन दो बार में 50-50 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिया। प्रभारी निरीक्षक चंदन कुमार ने बताया कि केस दर्ज लिया गया है।

गोरखपुर जं. रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करते हुए महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर

गोरखपुर, : उदय बोरवणकर, महानिदेशक, आरडीएसओ ने

01 सितम्बर,2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक का अतिरिक्त पदभार ग्रहण कर लिया है। पदभार ग्रहण के उपरान्त महाप्रबंधक श्री बोरवणकर ने मण्डल रेल प्रबंधक/लखनऊ श्री गौरव अग्रवाल के साथ गोमती नगर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने गोमतीनगर स्टेशन पर नॉर्थ एवं साउथ टर्मिनल भवनों, वाणिज्यिक ब्लॉक, फ्लाईओवर, और एयर कॉनकोर्स के विकास कार्यों का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने स्टेशन के

ले-आउट प्लान तथा प्रथम और द्वितीय प्रवेश द्वार पर चल रहे आधारभूत संरचनाओं के विकास कार्यों का अवलोकन किया। रेल भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) के मुख्य परियोजना प्रबन्धक श्री पावस यादव ने गोमतीनगर स्टेशन पर हो रहे विकास कार्यों की प्रगति से महाप्रबंधक महोदय को अवगत कराया गया। इसके उपरान्त महाप्रबंधक श्री बोरवणकर ने गोमती नगर (लखनऊ)-गोरखपुर रेल खण्ड का विण्डो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने मार्ग के विभिन्न स्टेशनों पर उपलब्ध कराई जा रही यात्री सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। गोरखपुर जं. रेलवे स्टेशन पर पहुँचकर महाप्रबंधक श्री उदय बोरवणकर ने स्टेशन पर किये जा रहे पुनर्विकास कार्यों का गहनता से निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन के पुनर्विकास का ले-आउट प्लान का अवलोकन किया तथा प्रथम फेज में किये जा रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने प्लेटफॉर्म नं. 01 का निरीक्षण किया तथा वातानुकूलित लाउंज में स्थापित गोरखपुर जं. रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास मॉडल का अवलोकन किया तथा स्टेशन के वॉक थ्रू वीडियो के माध्यम से पूरे स्टेशन के विकास की योजनाओं से

रूबरू हुये। निरीक्षण के दौरान मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण श्री अभय कुमार गुप्ता ने गोरखपुर जं. रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास परियोजना की लागत तथा स्टेशन के पुनर्विकास के दौरान किये जाने वाले कार्यों जैसे-स्टेशन भवन के स्वरूप, मुख्य स्टेशन भवन का निर्माण एवं द्वितीय प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन का निर्माण, कॉनकोर्स एरिया, फूड आउटलेट, वेटिंग हॉल, ए.टी.एम. एवं किड्स जोन, रूफ प्लाजा से प्लेटफार्म तथा प्रवेश एवं निकास द्वार के लिए किये जाने वाले कार्यों से महाप्रबंधक को अवगत कराया। उन्होंने स्टेशन पर लगाये जाने वाले लिफ्ट एवं एस्केलेटर तथा यात्रियों के बैठने हेतु की जाने वाली व्यवस्थाओं से भी अवगत कराया। गोरखपुर जं. स्टेशन पर निरीक्षण के दौरान मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण श्री अभय कुमार गुप्ता, मण्डल रेल प्रबंधक/लखनऊ श्री गौरव अग्रवाल सहित वरिष्ठ रेल अधिकारी उपस्थित थे। इसके पश्चात उन्होंने महाप्रबंधक सभागार में अपर महाप्रबंधक तथा सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बैठक की तथा उचित दिशा निर्देश दिये।

गोरखपुर रेलवे स्टेशन सरकुलेटिंग एरिया में स्थित स्वच्छ शौचालय

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा

देश की आजादी का जश्न स्वच्छता के संकल्प के साथ मनाया जा रहा है। सम्पूर्ण भारतीय रेल पर मनाये जा रहे स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत 01 सितम्बर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मण्डलों पर स्वच्छता सम्बन्धी अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह अभियान रेलवे के सभी क्षेत्रों जैसे-स्टेशनों, ट्रेनों, कालोनियों, कार्यालयों, डिपो एवं

कारखानों आदि में स्वच्छता के प्रति हमारे प्रयासों को सार्थक करेगा, साथ ही रेलकर्मियों एवं यात्रियों के बीच जागरूकता को भी बढ़ावा देगा। 01 सितम्बर, 2025 को लखनऊ मण्डल के प्रमुख स्टेशनों पर मशीनीकृत सफाई की गयी। रेल पटरियों एवं उसके आसपास की सफाई, वाशिंग लाईनों, ट्रेनों, वेस किचन, भोजन की तैयारी और भण्डारण क्षेत्रों में स्वच्छता, स्टेशनों को प्लास्टिक मुक्त बनाने, डस्टबिन

की सफाई, ऑनबोर्ड हाउस कीपिंग सर्विस आदि की जाँच कर स्वच्छता सुनिश्चित की गयी तथा यात्रियों को अपने परिवेश को साफ-सुथरा रखने और प्लास्टिक का उपयोग न करने के लिए जागरूक किया गया। वाराणसी मण्डल के सभी प्रमुख स्टेशनों पर मशीनीकृत सफाई की गयी। वाशिंग लाईनों और ट्रेनों को गहन निरीक्षण एवं सफाई की गयी। वेस किचन और उसके स्टोर की स्वच्छता सुनिश्चित कराई गयी। स्टेशनों को प्लास्टिक मुक्त बनाने को ध्यान में रखते हुए स्टेशन परिसरों की सफाई की गयी तथा यात्रियों को स्टेशन एवं ट्रेनों को साफ रखने एवं प्लास्टिक का उपयोग न करने के लिए जागरूक किया गया। इज्जतनगर मण्डल के सभी महत्वपूर्ण स्टेशनों पर मशीनों का उपयोग कर यात्री प्रतिक्षालय, प्लेटफार्म, पेयजल स्थल, शौचालय आदि की सफाई की गयी। कोच अनुरक्षण पिट पर रेकों एवं कोचो की मशीनीकृत सफाई की गयी। स्टेशनों को प्लास्टिक मुक्त बनाने को ध्यान में रखते हुए स्टेशन परिसरों की स्वच्छता सुनिश्चित की गयी। यात्रियों को ट्रेनों और स्टेशनों पर स्वच्छता बनाये रखने तथा प्लास्टिक का उपयोग न करने की सलाह दी गयी।

श्री दाऊजी महाराज मेला में तेज बारिश से रिसीवर शिविर का टेंट गिरा

हाथरस। तेज बारिश और हवा के कारण हाथरस मेला के रिसीवर शिविर का टेंट अचानक गिर गया। टेंट गिरते ही वहां भगदड़ मच गई। टेंट में अतिथि, बच्चे और अभिभावक दब गए। मेला में हादसे की सूचना पर एंबूलेंस पहुंची। हाथरस के श्री दाऊजी महाराज मेला में उस समय भगदड़ का माहौल बन गया, जब तेज बारिश और हवा से रिसीवर शिविर का टेंट गिर गया। उस समय वहां पर बच्चों का कार्यक्रम चल रहा था। हादसे में अतिथि और बच्चे चपेट में आए हैं। बताया जा रहा है कि दो बच्चे चोटिल हुए हैं। 1 सितंबर को श्री दाऊजी महाराज मेला में रिसीवर शिविर के अंदर बच्चों का नृत्य-संगीत और गायन प्रतियोगिता का कार्यक्रम चल रहा था। वहां अतिथि बतौर नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन आशीष शर्मा व महिला आयोग की सदस्य मौजूद थीं।

कार्यक्रम में 400 के करीब बच्चे और अभिभावक पंडाल में बच्चों की प्रस्तुतियों का आनंद ले रहे थे। तेज बारिश और हवा के कारण रिसीवर शिविर का टेंट अचानक गिर गया। टेंट गिरते ही वहां भगदड़ मच गई। टेंट में अतिथि, बच्चे और अभिभावक दब गए। मेला में हादसे की सूचना पर एंबूलेंस पहुंची। साथ ही सीओ और एसडीएम भी मौके पर पहुंचे। बच्चों और अभिभावकों को टेंट से बाहर निकाला गया। अतिथियों को भी सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस दौरान दो बच्चे चोटिल हुए, जिन्हें एंबुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

आज भारी बारिश के संकेत, 22 मिमी. हो सकती बरसात

कानपुर। सुबह से देर शाम तक 6 मिमी बारिश हुई। अगले 24 घंटे में 22 मिमी बारिश की होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार हवा के कम दबाव वाला क्षेत्र बनने और उत्तराखंड व हिमाचल से यूपी के मैदानी क्षेत्रों में आई नम हवाओं ने फिर से बारिश का सिलसिला शुरू कर दिया है। मानसून की 15 सितंबर को वापसी से पहले एक बार फिर से पूरे प्रदेश में तेज बारिश अगले कई दिनों तक होने की चेतावनी मौसम विभाग की ओर से दी गई है। अकेले कानपुर और बुंदेलखंड क्षेत्रों में अगले तीन दिन अधिक बारिश हो सकती है। मौसम विशेषज्ञ डॉ एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि प्रदेश के 26 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। बताया कि 31 अगस्त से 2 सितंबर के बीच भारी वर्षा का दौर देखने को मिलेगा। 3 सितंबर में थोड़ा कमी आ सकती है। अभी तक प्रदेश में में एक जून से 30 अगस्त तक अनुमानित बारिश 588.01 मिली मीटर के सापेक्ष 575 मिली मीटर रिकॉर्ड की गई जो की सामान्य से 2 प्रतिशत कम है।

संक्षिप्त खबरें

सफाई कर स्वच्छता का दिया संदेश

बस्ती। बस्ती विकास समिति और नगर पालिका के संयुक्त में चल रहे एक कदम स्वच्छता की ओर स्वच्छ बस्ती, सुंदर बस्ती अभियान में रविवार को वार्ड नंबर 23 आवास विकास में साफ-सफाई कर लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। कूड़ा इधर-उधर न फेंकने के लिए अनुरोध किया। समिति उपाध्यक्ष अंकुर वर्मा ने कहा कि स्वच्छता केवल जिम्मेदारी ही नहीं बल्कि हमारी जीवन शैली का हिस्सा है। ईओ अंगद गुप्ता ने कहा कि बस्ती को स्वच्छ और सुंदर बनाना हम सबकी साझा जिम्मेदारी है। सभासद परमेश्वर शुक्ला पप्पू ने कॉलोनी वासियों से अपील की कि वे घर-घर से निकलने वाले कचरे का उचित निस्तारण करें तथा गंदगी फैलाने से बचें। पवन वर्मा, रोहन श्रीवास्तव, नरेंद्र सिंह, सत्येंद्र मिश्रा, अंखेश श्रीवास्तव मोनू, अखिलेश त्रिपाठी, विनय राजपूत, प्रिंस श्रीवास्तव, गणेश श्रीवास्तव, पार्थ श्रीवास्तव मौजूद रहे।

पहले चरण की काउंसिलिंग पूरी, 82 ने लिया प्रवेश

बस्ती। महर्षि वशिष्ठ मेडिकल कॉलेज बस्ती में यूपी और ऑल इंडिया यूजी-नीट उत्तीर्ण छात्रों का एमबीबीएस सीटों पर पहले चरण की प्रवेश प्रक्रिया पूरी हो गई है। पहले चरण की काउंसिलिंग में 82 विद्यार्थियों ने प्रवेश ले लिया है। शेष सीटों पर प्रवेश द्वितीय चरण में होगा। इस साल के पहले चरण की काउंसिलिंग में यूपी के लिए बस्ती मेडिकल कॉलेज को 84 सीट आवंटित की गई हैं। इसमें से 80 सीटों पर प्रवेश पूरा कर लिया गया है। चार सीटें रिक्त हैं। जबकि ऑल इंडिया कोटे की आरक्षित 15 सीटों में से पहले चरण की काउंसिलिंग में सिर्फ दो छात्रों का प्रवेश पूरा हुआ। नोडल अधिकारी एनाटॉमी विभाग प्रोफेसर डॉ. श्याम सुंदर केसरी ने बताया कि पहले चरण की हुई काउंसिलिंग में राज्य स्तर और ऑल इंडिया कोटे से 82 सीटों पर प्रवेश हुआ है। यूपी कोटे से अभी चार और ऑल इंडिया कोटे से 13 सीट रिक्त है। बताया कि सेकेंड काउंसिलिंग में शेष सीटों पर प्रवेश होगा। बताया कि स्टेट कोटे में जो चार छात्र आए थे उनके कागजात कंप्लीट नहीं थे, ऐसे में दोबारा बुलाया गया, लेकिन फिर लौटे नहीं। यूपी और आल इंडिया कोटे में 17 सीटें रिक्त हैं।

मूल्य आधारित और समावेशी शिक्षा से राष्ट्र निर्माण का लक्ष्य

बस्ती। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान बड़े शैक्षणिक आंदोलनों में से एक है। यह गुणवत्तापूर्ण (गुणात्मक) और संस्कृति युक्त शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। विद्या भारती मूल्य आधारित और समावेशी शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में लगा है। इसका मूल उद्देश्य भारतीय संस्कृति, संस्कार और राष्ट्रीयता आधारित शिक्षा प्रणाली का प्रचार-प्रसार करना है। ये बातें क्षेत्रीय मंत्री पूर्वी उत्तर प्रदेश डॉ. सौरभ मालवीय ने कहीं। सरस्वती विद्या मंदिर रामबाग बस्ती में विद्या भारती गोरक्ष प्रांत के प्रचार विभाग की कार्यशाला में डॉ. सौरभ ने कहा कि 1952 में गोरखपुर में एक विद्यालय से प्रारंभ कर यह संस्था आज 684 जिलों में 12,118 विद्यालयों का संचालन कर रही है। कहा कि विद्या भारती के विद्यालय देश के अनेक दुरस्थ क्षेत्रों में स्थित हैं, इनमें जनजातीय इलाके और सीमावर्ती जिले शामिल हैं। भारत की सीमाएं पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, चीन और म्यांमार से लगती हैं, और इन 127 सीमावर्ती जिलों के 167 ब्लॉकों में विद्या भारती के 211 विद्यालय हैं। कार्यशाला के समापन सत्र में क्षेत्रीय संगठन मंत्री हेमचंद्र ने कहा कि यदि हम विद्या भारती जैसे संगठनों की बात करें तो प्रचार विभाग विद्यालयों में हो रहे सांस्कृतिक, शैक्षिक और सामाजिक कार्यों को समाज के सामने लाता है। इससे समाज को प्रेरणा मिलती है और विद्यार्थी, शिक्षक तथा अभिभावक सभी को गर्व की अनुभूति होती है। क्षेत्र संयोजक प्रचार विभाग डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह और प्रांत संयोजक प्रचार विभाग अंकित गुप्ता ने कार्य योजना के महत्व को रेखांकित किया।

जल्द आएंगी नौ और नई छोटी बसें चालकों की भी दूर होगी कमी

बस्ती। बस्ती रोडवेज डिपो के बेड़े में जल्द ही नौ और छोटी बसें जुड़ जाएंगी। इन बसों को ग्रामीण मार्गों पर चलाया जाएगा। ग्रामीणों का सफर आसान होगा। उन्हें मुख्यालय तक पहुंचने में कठिनाई नहीं होगी। छोटी बसें गांव तक सकरे मार्ग से जाएंगी और सवारी लेकर आएंगी। इससे सहूलियत होगी। वहीं इन बसों के संचालन के लिए चालकों की भर्ती भी हो रही है। अब तक पांच चालक मिले हैं। शेष 50 पदों पर क्रमवार भर्ती की जा रही है। परिवहन निगम मुख्यालय ने बस्ती डिपो के लिए 10 छोटी बसों का आवंटन किया है। एक बस आ चुकी है। बसों और कर्मचारियों की कमी से जूझ रहे परिवहन निगम के लिए छोटी बसें राहत लेकर आ रही हैं। बस्ती डिपो में काफी दिनों से बसों की संख्या बढ़ाने की बात चल रही थी अंततः परिवहन निगम के मुख्यालय ने यहां की पीड़ा को समझा और नई छोटी बसों का आवंटन किया है। बस्ती डिपो में अब निगम की 108 और 32 अनुबंधित बसें चल रही हैं। यहां पर लंबी दूरी की बसों की कमी नहीं हैं लेकिन लोकल रूट पर बसों की हमेशा कमी बनी रहती है। इसी के मद्देनजर यहां हमेशा छोटी बसों की जरूरत बनी रहती है। इन 10 बसों के आ जाने से काफी हद यह कमी दूर होगी। लोकल रूट पर देखा जाए तो बस्ती डिपो से तकरीबन 14 रूट हैं, जिनपर कुछ बसें चलती हैं। इस रूटों में बस्ती-कड़रू (गोंडा), बस्ती महसों, बस्ती-बानपुर, बस्ती-दुबौलिया, बस्ती-पकड़ी चौहान आदि शामिल है। बस्ती डिपो के लिए ये बसें कानपुर स्थित कार्यशाला से आनी हैं। इस बसों को आने की कागजी कार्रवाई अभी पूरी की जा रही। जैसे ही ये कार्रवाई पूरी होगी इन बसों को यहां मंगा लिया जाएगा। हालांकि, बस्ती डिपो में केवल बसों के आने से यात्रियों की दुश्वारियां कम होने वाली नहीं हैं। यहां कर्मचारियों की भी कमी है।

जल्द आएंगी नौ और नई छोटी बसें चालकों की भी दूर होगी कमी

बस्ती। बस्ती रोडवेज डिपो के बेड़े में जल्द ही नौ और छोटी बसें जुड़ जाएंगी। इन बसों को ग्रामीण मार्गों पर चलाया जाएगा। ग्रामीणों का सफर आसान होगा। उन्हें मुख्यालय तक पहुंचने में कठिनाई नहीं होगी। छोटी बसें गांव तक सकरे मार्ग से जाएंगी और सवारी लेकर आएंगी। इससे सहूलियत होगी। वहीं इन बसों के संचालन के लिए चालकों की भर्ती भी हो रही है। अब तक पांच चालक मिले हैं। शेष 50 पदों पर क्रमवार भर्ती की जा रही है। परिवहन निगम मुख्यालय ने बस्ती डिपो के लिए 10 छोटी बसों का आवंटन किया है। एक बस आ चुकी है। बसों और कर्मचारियों की कमी से जूझ रहे परिवहन निगम के लिए छोटी बसें राहत लेकर आ रही हैं। बस्ती डिपो में काफी दिनों से बसों की संख्या बढ़ाने की बात चल रही थी अंततः परिवहन निगम के मुख्यालय ने यहां की पीड़ा को समझा और नई छोटी बसों का आवंटन किया है। बस्ती डिपो में अब निगम की 108 और 32 अनुबंधित बसें चल रही हैं। यहां पर लंबी दूरी की बसों की कमी नहीं हैं लेकिन लोकल रूट पर बसों की हमेशा कमी बनी रहती है। इसी के मद्देनजर यहां हमेशा छोटी बसों की जरूरत बनी रहती है। इन 10 बसों के आ जाने से काफी हद यह कमी दूर होगी। लोकल रूट पर देखा जाए तो बस्ती डिपो से तकरीबन 14 रूट हैं, जिनपर कुछ बसें चलती हैं। इस रूटों में बस्ती-कड़रू (गोंडा), बस्ती महसों, बस्ती-बानपुर, बस्ती-दुबौलिया, बस्ती-पकड़ी चौहान आदि शामिल है। बस्ती डिपो के लिए ये बसें कानपुर स्थित कार्यशाला से आनी हैं। इस बसों को आने की कागजी कार्रवाई अभी पूरी की जा रही।

ध्यान दें...

अप्रैल-जून में भारत की ग्रोथ में उम्मीद से ज्यादा वृद्धि से बाजार गुलजार; सेंसेक्स-निफ्टी में तेजी

नई दिल्ली (एजेंसी) । शिंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में भारत, चीन और रूस के एक मंच पर आने के बाद बाजार ने सकारात्मक रुख के साथ शुरुआत की। नए वैश्विक समीकरणों की उम्मीद के बीच शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 343.46 अंक चढ़कर 80,153.11 पर पहुंचा। ऐसे ही निफ्टी 105.8 अंक बढ़कर 24,532.65 पर आ गया। इसके अलावा शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 17 पैसे गिरकर 88.26 पर खुला। अप्रैल-जून में भारत की अर्थव्यवस्था में उम्मीद से ज्यादा 7.8 फीसदी की वृद्धि के बाद सोमवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में हरियाली दिखी। इस दौरान बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई। जीडीपी के मामले में यह पांच तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 343.46 अंक चढ़कर 80,153.11 पर पहुंच गया।

सभी किसानों को मिलेगी खाद,बटाईदार भी शामिल

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने खरीफ सीजन में किसानों को समय पर और बिना किसी परेशानी के खाद उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए एक नई प्रणाली की शुरूआत की है। सहकारिता विभाग की पहल का उद्देश्य खाद वितरण में पारदर्शिता और सुगमता है, जिससे किसानों को समस्याओं से निजात मिल सके।नई व्यवस्था के तहत खाद का वितरण एम-पैक्स बहुउद्देशीय सहकारी समितियों के माध्यम से किया जाएगा। सहकारिता विभाग के आयुक्त एवं निबंधक योगेश कुमार ने इस प्रक्रिया को लेकर एक मानक संचालन प्रक्रिया एसओपी जारी की है। इस एसओपी के माध्यम से सभी जिलों के सहायक और संयुक्त आयुक्तों तथा निबंधकों को निर्देश दिए गए हैं कि खाद वितरण प्रक्रिया में किसानों को असुविधा न हो।खाद वितरण केंद्रों पर किसानों की लंबी कतारों को देखते हुए वहां शेड और टेंट की व्यवस्था की जाएगी ताकि किसान धूप या बारिश से सुरक्षित रह सकें।कतार में लगे किसानों को बुलाने के लिए माइक्रोफोन या पब्लिक एड्रेस सिस्टम का उपयोग अनिवार्य है।खाद वितरण के समय फिंगरप्रिंट और स्कैनिंग में आने वाली समस्याओं को दूर करने के लिए पॉइंट ऑफ सेल पीओएस मशीनों को नियमित रूप से साफ रखने के निर्देश दिए गए हैं। किसानों को जागरूक किया जाएगा कि मशीन पर उंगली रखने से पहले वे उंगली साफ कर लें ताकि बायोमेट्रिक सिस्टम सही ढंग से काम कर सके। इस नई व्यवस्था में सिर्फ जमीन के मालिक ही नहीं, बल्कि बटाईदार किसान भी खाद प्राप्त कर सकेंगे। बटाईदारों को खाद देने से पहले भूस्वामी और बटाईदार के बीच एक लिखित सहमति पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। गैर-सदस्य किसान भी समिति की सदस्यता लेकर खाद प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे किसानों की खतौनी और आधार कार्ड की प्रति समिति में सुरक्षित रखी जाएगी। खाद वितरण केंद्रों को प्रतिदिन खोलने के आदेश दिए गए हैं और यह सुनिश्चित किया गया है कि हर केंद्र पर पर्याप्त मात्रा में स्टॉक उपलब्ध रहे। स्टॉक और वितरण रजिस्टर को हमेशा अपडेट रखना जरूरी होगा ताकि किसी भी समय रजिस्टर की जांच की जा सके। ब्लॉक स्तर से लेकर मंडल स्तर तक अधिकारी नियमित निरीक्षण करेंगे और हर बुधवार शाम तक अपनी रिपोर्ट ई-मेल के माध्यम से मुख्यालय को भेजेंगे। जिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे सहकारी समितियों और निजी विक्रेताओं के माध्यम से स्थानीय स्तर पर खाद वितरण का निर्णय लें।

अखिलेश यादव ने निर्वाचन आयोग पर उठाए गंभीर सवाल

लखनऊ(संवाददाता)। सपा चीफ अखिलेश यादव ने भारत के चुनाव आयोग ईसीआई पर तीखा हमला किया है। बोले,हलफनामे लिये और जवाब नहीं दे रहे हैं। बिहार चुनाव से पहले, विपक्ष ने सरकार और चुनाव आयोग को वोटों में हेराफेरी के आरोपों के घेरे में खड़ा कर दिया है।कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक की अन्य पार्टियों भी सरकार और निर्वाचन आयोग पर गंभीर आरोप लगा रही हैं, लेकिन अब तक आरोप साबित नहीं कर पाई हैं। अखिलेश यादव ने निर्वाचन आयोग पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब आयोग एआई से घपले का पता लगा सकता है, तो सपा के 17,986 हलफनामों का जवाब क्यों नहीं दे रहा है। ये हलफनामे कथित तौर पर मतदाता सूची में हेराफेरी और वोट डकैती से जुड़े हैं, जिसपर आयोग की चुप्पी राजनीतिक चर्चाओं का विषय बन गई है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आज सोमवार को निर्वाचन आयोग को जुगाड़ आयोग करार देते हुए पूछा कि सपा के 17 हजार से अधिक हलफनामों का जवाब क्यों नहीं दे रहा है। उन्होंने अपने आधिकारिक एक्स खाते पर एक पोस्ट में लिखा, ष्जब रजुगाड़ आयोग एआई से सवा करोड़ रुपये का घपला पकड़ सकता है, तो हमारे द्वारा दिए गए 18,000 में केवल 14 हलफनामों का जवाब देने के बाद बचे 17,986 हलफनामों का जवाब क्यों नहीं दे रहा है? इस पोस्ट में यादव ने एक समाचार चैनल का वीडियो साझा किया है, जिसमें दावा किया गया है कि एआई के माध्यम से पंचायत चुनाव के संदर्भ में सवा करोड़ मतदाता कम किए गए हैं।देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने पिछले महीने एक प्रेस वार्ता में वोट चोरी और अन्य अनियमितताओं के विपक्ष के आरोपों को गलत बताया था। श्री यादव ने एक्स पर एक अन्य संदेश में कहा कि सपा ने वोट डकैती के संबंध में 18 हजार हलफनामे आयोग को दिए थे, लेकिन कार्रवाई शून्य है।

नगर आयुक्त ने लखनऊ के विभिन्न जोनों का निरीक्षण किया

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में हो रही बारिश के चलते सोमवार सुबह नगर आयुक्त गौरव कुमार ने लखनऊ के विभिन्न जोनों का निरीक्षण किया। मौके पर जलभराव, साफ-सफाई और डोर-टु-डोर कूड़ा कलेक्शन व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने जोन 1, 2, 4, 5, 6, 7 और 8 के निरीक्षण में अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने जलभराव प्रभावित क्षेत्रों में पंप लगाकर पानी निकासी और नालियों की सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जोन-4 के विनीत खंड स्थित पीसीटीएस सेंटर पर उन्होंने कूड़ा कलेक्शन वाहनों का रिकॉर्ड जांचा और समय पर ड्यूटी व तय मार्गों पर कूड़ा कलेक्शन सुनिश्चित करने को कहा। जोन 7 के इंदिरा नगर में स्थानीय नागरिकों ने कूड़ा कलेक्शन पर समस्याएं बताई। फीडबैक लेते हुए उन्होंने कूड़ा कलेक्शन की गुणवत्ता पर चर्चा की और खामियों को तुरंत सुधारने के निर्देश दिए। उन्होंने बारिश के मौसम में स्वच्छता और जलभराव नियंत्रण पर विशेष ध्यान देने, नालियों की नियमित सफाई और कूड़ा निस्तारण व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर जोर दिया। नगर आयुक्त ने साफ किया कि स्वच्छता में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। प्रत्येक जोनल अधिकारी को नियमित निगरानी और जन शिकायतों को तुरंत निस्तारण का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान संबंधित जोनल अधिकारी और सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

नगर निगम में संपत्ति विभाग के कर्मचारी धरने पर,लखनऊ पुलिस के खिलाफ लगाए नारे

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ नगर निगम के नायब तहसीलदार रत्नेश श्रीवास्तव द्वारा थप्पड़ मारने के मामले में दोनों पक्षों के खिलाफ क्रॉस मुकदमा दर्ज हुआ है। अब नगर निगम के कर्मचारी मुकदमा दर्ज होने के विरोध में उतर आए हैं। नगर निगम के संपत्ति विभाग के कर्मचारी और अधिकारी मुख्यालय पर धरने पर बैठ गए हैं। इस दौरान थ्प्त् वापस लेने की मांग कर रहे हैं। मौके पर लखनऊ पुलिस पर झूठा मुकदमा लिखने का आरोप लगाते हुए कर्मचारी नारेबाजी भी कर रहे। इस दौरान नगर निगम की है ललकार वापस हो झूठी एफआईआर के नारे भी लगाए जा रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि भू-माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करने पर उनके खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज किया गया, जिससे उनका मनोबल टूट गया है। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक मुकदमा वापस नहीं होगा तब तक काम पर संपत्ति विभाग नहीं लौटेगा। 25 अगस्त 2025 को सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के मस्तेमऊ गांव में नगर निगम की टीम सरकारी जमीन से अवैध कब्जा हटाने गई थी। यह जमीन (खसरा नंबर 868, 0.152 हेक्टेयर) राजस्व रिकॉर्ड में खाद के गड्ढे के रूप में दर्ज है और नगर निगम के अधीन है। जांच में राम मिलन नाम के व्यक्ति द्वारा 3000 वर्ग फुट जमीन पर अवैध कब्जा पाया गया। राम मिलन को फरवरी 2025 में नोटिस भेजा गया था, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। 23 अप्रैल को पुलिस के साथ कार्रवाई के दौरान राम मिलन ने महिलाओं को आगे कर विरोध किया, गाली-गलौज की और सरकारी काम में बाधा डाली। उनके बेटे अमित ने कब्जा स्वीकार किया, लेकिन 6 महीने का समय मांगा। 25 अगस्त को दोबारा कार्रवाई के दौरान फिर विरोध हुआ। राम मिलन ने टीम को धमकी दी और वीडियो बनाए। इस बीच राम मिलन को नायब तहसीलदार ने थप्पड़ मार दिया। इसके बाद उसकी तबीयत खराब हो गई। मामले में नगर निगम ने राम मिलन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की, लेकिन राम मिलन की शिकायत पर नगर निगम के नायब तहसीलदार सहित अन्य के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज हुआ। नगर निगम के कर्मचारियों का कहना है कि लेखपाल सुभाष कौशल के खिलाफ उल्टा मुकदमा दर्ज हो गया। जबकि उनकी तैनाती वहां पर नहीं है।

राजधानी में निकला चुप ताजिया जुलूस,बारिश के बीच नम आंखों से इमाम हुसैन को याद किया

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सोमवार को चौक स्थित इमाम बाड़ा नाजिम साहब से चुप ताजिया का जुलूस निकाला गया। ये जुलूस मोहर्रम के आखिरी दिन निकलने वाला अंतिम जुलूस होता है। दो महीने 8 दिन तक चलने वाले मोहर्रम और गम के सिलसिले का चुप ताजिया के साथ समापन हुआ। ईराक स्थित कर्बला में यजीदी फौज द्वारा बेरहमी से शहीद किए गए पैगंबर मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की याद में मोहर्रम मनाया जाता है। जुलूस शुरू होने से पहले शिया धर्म गुरु मौलाना एजाज अतहर ने मजलिस पढ़ी। उसके बाद परंपरागत तरीके से निकाला गया जुलूस अकबरीगेट, नक्खास, बिल्लौचपुरा चौराहे से मुड़कर गिरधारी सिंह इंटर कॉलेज मंसूर नगर होता हुआ सआदतगंज स्थित रौजा-ए-काजमैन में संपन्न हो गया। लगभग 3 किलोमीटर पैदल यात्रा अकीदतमंदों ने तय किया। जुलूस और मजलिस में बड़ी संख्या में अकीदत मंद शामिल हुए और नम आंखों से हजरत इमाम हुसैन को याद किया। मौलाना एजाज अतहर ने जंग की तारीख बयान किया। उन्होंने कहा कि इराक के कर्बला जैसी जंग दुनिया में दोबारा कभी नहीं हुई। यह ऐसी जंग थी, जिसमें महिलाएं, बीमार और 6 महीने के मासूम बच्चे भी शामिल हुए। पैगंबर मोहम्मद साहब के नवासे ने इस जंग को इंसानियत कि खातिर लड़ी थी। जिसके साथ कर्बला से ये संदेश दिया कि अत्याचार करने वाला कितना भी शक्तिशाली शाली हो उसके खिलाफ आवाज जरूर उठाना चाहिए। 2 महीना 8 दिन तक हमने लगातार जुलूस और मजलिस के माध्यम से हजरत इमाम हुसैन को याद किया। आज मोहर्रम के गम का आखिरी दिन है। मोहर्रम में निकलने वाले सभी जुलूस खास होते हैं। लखनऊ इमामबाड़ा से निकाले गए अलविदाई चुप जुलूस मे भारी संख्या मे अकीदतमंद, अजादार शामिल हुए। मरसिया पढ़कर अकीदतमंदों ने इमाम हुसैन और उनके साथियों याद किया, पुरसा पेश किया । जुलूस में शामिल ताजिया को अकीदत के साथ लोग चूमते हुए नजर आए। जुलूस में शामिल अकीदतमंद तबरेज ने कहा कि आज हम लोग नम आंखों के साथ मोहर्रम को विदा कर रहे हैं। 2 महीना 8 दिन शिया समुदाय के लिए बहुत विशेष होता है। मोहर्रम का साल भर इंतजार रहता है। इन दिनों में हम ज्यादातर काले कपड़े पहनते हैं। किसी प्रकार की खुशी नहीं मनाई जाती है। हमारी ये कोशिश होती है कर्बला के मैदान से इमाम हुसैन ने जो संदेश दिया उसे अपने जीवन में लागू करें। इमाम हुसैन और उनके साथियों को 3 दिनों तक भूखा-प्यासा रखा गया था। इसलिए मोहर्रम के दौरान बड़ी संख्या में भंडारा बांटा जाता है। सबील (प्याऊ) लगाई जाती है।

रामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी में जोरदार प्रदर्शन,स्टूडेंट्स ने मेन गेट पर चढ़कर हंगामा किया

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के श्रीराम स्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी में बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स ने सोमवार को प्रदर्शन किया। एबीवीपी की अगुआई में पर बड़ी संख्या में पहुंचे स्टूडेंट्स ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान स्टूडेंट्स को विश्वविद्यालय प्रशासन के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। स्टूडेंट्स की बड़ी संख्या को देखते हुए मौके पर पुलिस बल को भी बुलाया है। हालांकि, स्टूडेंट्स की नारेबाजी जारी रही। प्रदर्शन के दौरान स्टूडेंट्स ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ मनमानी का आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी हुई। कई स्टूडेंट्स ने यूनिवर्सिटी गेट पर चढ़कर प्रदर्शन किया। स्टूडेंट्स का कहना था कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उनकी आवाज को दबाने के उन्हें कॉल और मैसेज पर आंदोलन में न शामिल होने की धमकी दी जा रही है। साथ ही प्रदर्शन में शामिल स्टूडेंट्स का निलंबन करने की बात कही जा रही है। स्टूडेंट्स का आरोप है कि श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से लगातार की जा रही अवैध वसूली और ठब्प् से संबद्धता न होने पर भी 2022 से स्टूडेंट्स के साथ खिलवाड़ हो रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से आए दिन किसी न किसी बहाने से फीस की डिमांड की जाती है और फीस न जमा करने पर विश्वविद्यालय की तरफ से 5 हजार तक का जुमार्ना भी लगा दिया जाता है। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन पूरी तरह से मनमानी पर उतर आया है।

स्कूलों के विलय मामले की सुनवाई टली,अब 22 सितंबर को होगी,

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के परिषदीय स्कूलों में चल रही विलय प्रक्रिया पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में 1 सितंबर की सुनवाई टल गई है। अब यह 22 सितंबर को होगी। दरअसल, चीफ जस्टिस आज प्रयागराज से लखनऊ नहीं पहुंचे। हाईकोर्ट की बेंच ने यूपी सरकार को स्कूल मर्जर की क्लियर गाइडलाइन पेश करने का आदेश दिया है। इस मामले में इससे पहले 21 अगस्त को हाईकोर्ट में बच्चों की याचिकाओं पर सुनवाई हुई थी। तब हाईकोर्ट ने सीतापुर जिले के स्कूलों के विलय पर रोक लगाते हुए यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया था। न्यायमूर्ति राजन रॉय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष इस मामले से जुड़ी विशेष अपीलें सोमवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हैं। राज्य सरकार और बेसिक शिक्षा विभाग के अधिवक्ता पहले ही इस मामले में विस्तृत बहस कर चुके हैं। बीती 24 जुलाई को अदालत ने विलय प्रक्रिया में सामने आई स्पष्ट अनियमितताओं को देखते हुए सीतापुर जिले में स्कूलों के विलयध्पेयरिंग पर यथास्थिति का आदेश दिया था। कोर्ट ने साफ किया था कि यह आदेश केवल प्रक्रिया में पाई गई खामियों को देखते हुए दिया गया है और सरकार की मर्जर पॉलिसी की मेरिट पर कोई टिप्पणी नहीं की जा रही। पिछली सुनवाई में सरकार की ओर से पेश किए गए कुछ दस्तावेजों में खामियां पाई गई थीं। इसके मद्देनजर कोर्ट ने सरकार को स्पष्टीकरण देने का समय दिया और तब तक यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश जारी किए।

न तीन में न तेरह में सपा की बिहार यात्रा पर केशव मौर्य का वार, बोले,अखिलेश सिर्फ रिश्तेदारी निभाने आए थे!

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि ह्यवोट अधिकार यात्रा में यादव की हालत श्न तीन में न तेरह में जैसी ही रही। मौर्य ने एक प्रचलित मुहावरे का प्रयोग करते हुए सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बिहार में नितांत असफल ह्यवोट अधिकार यात्रा में सपा बहादुर अखिलेश यादव की हालत न तीन में न तेरह में जैसी ही रही।ह्व न तीन में न तेरह में मुहावरे का मतलब जिसका कोई लेना-देना न हो, या जो किसी बात से बिलकुल ही अप्रासंगिक हो। मौर्य ने पोस्ट में कहा कि जिस पार्टी का बिहार की धरती पर न कोई अतीत है, न वर्तमान और न कोई भविष्य। उनका बिहार से संबंध केवल लालू प्रसाद यादव के परिवार से नातेदारी तक सीमित है। बिहार की जनता इनकी खातिरदारी का बेसब्री से इंतजार कर रही है। इसकी बानगी आने वाले चुनाव में मिलेगी। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव शनिवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ ह्यवोटर अधिकार यात्रा में शामिल हुए थे और बिहार की जनता का आह्वान किया कि वह ह्यमगध (बिहार) में भी उसी तरह भारतीय जनता पार्टी को हराये, जैसे पिछले लोकसभा चुनाव में लोगों ने उसे ह्यअवध (फैजाबाद-अयोध्या) में हराया था। उन्होंने यह आरोप भी लगाया था कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने निर्वाचन आयोग को ह्यजुगाड़ आयोग बना दिया है। यादव ने ह्यवोटर अधिकार यात्रा के तहत आरा (भोजपुर) में आयोजित एक सभा में उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के नतीजों का हवाला देते हुए कहा कि हम लोगों ने मिलकर अवध में हराया था, इस बार मगध में भारतीय जनता पार्टी को हराने की जिम्मेदारी आपकी है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव सारण से इस यात्रा का हिस्सा बने।

यूपी में 1 करोड़ वोट काटने की तैयारीह्ण, आप सासंद संजय सिंह का भाजपा पर बड़ा आरोप

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा का चुनाव होगा इससे पहले पंचायत चुनाव होने वाली है। इसके लिए अभी से सभी पार्टियां तैयारी में जुट गई हैं। इसी बीच एसआईआर की आंधी अब यूपी में भी घुस रही है। दरअसल, आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह ने आरोप लगाया है कि उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव से पहले लगभग 1 करोड़ वोट काटे जा सकते हैं। आपको बता दें कि उन्होंने कहा कि भाजपा जनता के बीच अपना आधार खो चुकी है और अब वोट चोरी के जरिए चुनाव जीतना चाहती है। संजय सिंह ने एक्स पर लिखा कि पंचायत चुनाव से पहले यूपी में एसआईआर का भूत आ रहा। यह मुद्दा अब यूपी में बहस का विषय बन गया है। हालांकि, इस आरोप पर भाजपा की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। यह देखना दिलचस्प होगा कि आगामी पंचायत चुनावों में यह मुद्दा कितना गरमाता है और इसका राजनीतिक परिणाम क्या होगा।

ऑटो चालक की दिनदहाड़े हत्या,चाकू से गला रेता, लोगों ने आरोपी को दौड़ाकर पकड़ा

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ में ऑटो चालक की दिनदहाड़े गला रेतकर हत्या कर दी गई। आरोपी को हत्या करते देख ग्रामीण मौके पर दौड़ते हुए पहुंच गए। जब तक लोग पहुंचते तब तक ड्राइवर की मौत हो चुकी थी। लोगों ने आरोपी को दौड़ाकर पकड़ लिया। वारदात गोसाईगंज थाना क्षेत्र के उन्मेदखेड़ा मोड़ पर की गई। मृतक की पहचान गादियाना निवासी पवन के रूप में हुई है। आरोपी मोहित उसी के गांव का रहने वाला है। लोगों आता देख मोहित भागने लगा लेकिन ग्रामीणों ने उसे पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया पवन की हत्या उसके ऑटो में ही की गई। वह ऑटो लेकर घर से निकला था। उसे रास्ते में मोहित मिल गया। मोहित सड़क पर काफी देर से टहल रहा था। उसने ऑटो देखा तो उसके सामने आकर जबरदस्ती रुकवा लिया और पवन पर हमला कर दिया। जब तक लोग पहुंच पाते तब तक में मोहित गला रेतकर भागने लगा। मृतक पवन दोनों पैर से दिव्यांग है। उसके पिता की कुछ साल पहले मौत हो चुकी है। उसकी माता शिवरानी ने बताया- बेटे ने डेढ़ महीने पहले ऑटो खरीदा था। वह दिव्यांग होने के बावजूद घर का पूरा खर्च उठाता था। वह घर के खर्च के लिए बहुत मेहनत कर रहा। इंस्पेक्टर गोसाईगंज बृजेश कुमार त्रिपाठी का कहना है कि आरोपी की उम्र करीब 21-22 साल की है। पूछताछ की जा रही हैं। वहीं, मृतक के भाइयों का कहना है कि पैसे के लेनदेन को लेकर हत्या हुई है। सभी पहलुओं पर जांच पड़ताल की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, 2 साल पहले आरोपी मोहित ने पवन से बहन की शादी में 50 हजार रुपए उधार लिए थे। इसी को पवन उससे आए दिन मांगता रहता था। मोहित हमेशा मना कर देता था।

संक्षिप्त खबरें

संयुक्त शिक्षा निदेशक कार्यालय में खुली हेलो इंस्पायर हेल्पलाईन

लखनऊ(संवाददाता)। केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी इंस्पायर मॉनक योजना 2025-26 के अन्तर्गत नामांकन के लिए पोर्टल पन्द्रह सितम्बर तक खुला हुआ है जिसमें सभी बोर्ड के मान्यता प्राप्त स्कूलों के कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों से उत्कृष्ट वैज्ञानिक नवाचारी विचारों को प्रत्येक वर्ष की भांति हस वर्ष भी आमन्त्रित किये जा रहे हैं। प्रत्येक विद्यालय की एक शाखा से अधिकतम पांच बेस्ट आइडियाज अपलोड करने के निर्देश लगातार मंडलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डा0 दिनेश कुमार के द्वारा दिए जा रहे है। मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी लखनऊ मण्डल डॉ दिनेश कुमार ने बताया कि लखनऊ मण्डल के सभी 6 जिलों लखनऊ ,लखीमपुर खीरी, हरदोई,सीतापुर, उन्नाव,रायबरेली के विद्यालयों द्वारा योजना में विद्यार्थियों के नामांकन करते समय किसी भी प्रकार की समस्या या असुविधा के शंका समाधान के लिए हेलो इंस्पायर हेल्पलाईन सेवा रविवार को खोल दी गयी है जिसका नम्बर 9415664679 है। संयुक्त शिक्षा निदेशक लखनऊ मण्डल डॉ प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ दिनेश कुमार नामांकन में किसी भी प्रकार समस्या व कठिनाइयों का समाधान करेंगे। इंस्पायर मानक में नामांकन करते समय आने वाली किसी भी प्रकार की समस्या के लिए कोई भी स्कूल प्रबंधन अपरान्ह 2 बजे से 5 बजे तक हेल्पलाईन पर अपनी शंका समाधान के लिए सम्पर्क कर सकते हैं। हेल्पलाईन 1 सितम्बर से 5 सितम्बर 2025 के अपरान्ह 2 बजे से 5 बजे तक पांच दिनों के लिए खुली रहेगी। डॉ दिनेश कुमार,मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी, लखनऊ मण्डल ने बताया कि लखनऊ मण्डल से सर्वाधिक बाल वैज्ञानिकों को चिन्हित कर राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाना हेलो इंस्पायर हेल्पलाईन का एक मात्र उद्देश्य है।

शकील हर क्षेत्र में कर्तव्य निष्ठ रहेरू प्रमुख अभियंता

लखनऊ(संवाददाता)। राजकीय वाहन चालक संघ,सिचाई विभाग के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष शकील अहमद के सम्मान समारोह चौधरी चरण सिंह प्रेक्षागृह में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि इं. ए.के. सिंह प्रमुख अभियंता परिकल्प एवं नियोजन ने अपने सम्बोधन में कहा कि श्री शकील कर्मचारी संगठन के नेतृत्व में बेहतर तो रहे ही साथ ही वे काफी कर्तव्यनिष्ठ रूप से सरकार की सेवा करते रहे। उन्होंने सारथी के रूप में अपने दायित्वों का भरपूर निवर्हन किया। इस दौरान विशिष्ठ अतिथि इं. राकेश कुमार मुख्य अभियंता स्तर वन ने उनके संगठनात्मक और व्यक्तिगत व्यवहार की जमकर सराहना की। कार्यक्रम का संचालन चालक महासंघ के पूर्व अध्यक्ष प्रमोद कुमार नेगी ने किया। समारोह में पूर्व अध्यक्ष शकील अहमद को नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के ओरी लाल यादव अध्यक्ष ,दिलीप चन्द्र रावत उपाध्यक्ष,मो.गुलाम कादिर,कोषाध्यक्ष,अनिल कुमार मिश्रा प्रान्तीय मंत्री,सुनील कुमार संयुक्त मंत्री, राम प्रताप,संगठन मंत्री, करन यादव, प्रचार मंत्री ने फूल माला और शाल उपहार देकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित कार्यकारिणी सदस्य मेघपाल सिंह, मान सिंह यादव, श्रवण कुमार यादव भी उपस्थित रहे। वक्ताओं ने बताया कि श्री शकील द्वार 1983 में सिंचाई विभाग में सेवा शुरू की गई। इस दौरान वे लम्बे समय तक चालक संघ के विभिन्न पदों के साथ उपाध्यक्ष तथा 2022 में प्रदेश अध्यक्ष चुने गए थे। 31 अगस्त 2025 को अपनी सेवानिवृत्ति से पूर्व उन्होंने समय पर नई कार्यकारिणी का चुनाव सम्पन्न कराया था। सम्मान समारोह को महासंघ के पूर्व अध्यक्ष रामफेर पाण्डेय, संरक्षक ज्ञानेन्द्र सिंह खारी सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने सम्बोधित किया।

सीएम आवास के पास महिला ने किया आत्मदाह का प्रयास

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ में आज सोमवार सुबह गौतमपल्ली थाना क्षेत्र अंतर्गत सीएम आवास के पास महिला ने आत्मदाह का प्रयास किया। उनके पास एक थैले में मिट्टी का तेल भरी शीशी मिली है। उन्होंने शीशी निकाली और तेल अपने पर उड़ेल लिया। माचिस से आग लगा पाती इससे पहले वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें पकड़ लिया। पुलिस उन्हें अपने साथ थाने ले गई। उनसे पूछताछ की। महिला ने बताया कि उनका नाम रोली देवी है। वह हरदोई के पिहानी की रहने वाली हैं। हरदोई के ही विक्की मिश्रा ने उन्हें लखनऊ में मकान दिलाने का झांसा दिया और उनसे 60 लाख रुपये ले लिए। उन्होंने जीवन भर की पूंजी मकान के लिए दे दी, लेकिन न मकान मिला न ही आरोपी रकम लौटा रहा है। पीड़िता ने बताया कि पहले तो विक्की ने रकम लौटाने की बात कही थी, मगर बाद में वह धमकाने लगा। इसकी शिकायत पुलिस अधिकारियों से की। कोई सुनवाई नहीं हुई। आजिज आकर वह आत्महत्या करने लखनऊ पहुंची थीं।पुलिस इंस्पेक्टर रत्नेश कुमार सिंह ने बताया कि हरदोई पुलिस को मामले की जानकारी दी गई है।

प्रदेश की जनता मेरा परिवार, जनता की हर पीड़ा मेरी पीड़ा: मौर्य

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज सरकारी आवास, 7 कालिदास मार्ग पर जनता दर्शन में आमजन से सीधा संवाद किया। जनता दर्शन में बड़ी संख्या में प्रदेशवासियों ने अपनी समस्याएँ सुनीं।उप मुख्यमंत्री ने हर व्यक्ति की बात सुनी और कहा कि प्रदेश की जनता ही परिवार है, जनता की हर पीड़ा मेरी अपनी पीड़ा है। सरकार का दायित्व है कि प्रत्येक नागरिक की समस्या का समाधान समयबद्ध और न्यायपूर्ण ढंग से हो।जनता दर्शन में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए आमजन, किसान, व्यापारी, महिलाएँ व बुजुर्गों ने अपनी शिकायतें व आवेदन प्रस्तुत किए। उप मुख्यमंत्री ने सभी की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए।श्री मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य जनता की सेवा, जनता का सम्मान है। प्रत्येक समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने कहा, जनता को अनावश्यक परेशान न किया जाए और शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध व पारदर्शी तरीके से हो। जनता दर्शन में आए लोगों की आँखों में यह विश्वास साफ झलक रहा था कि उप मुख्यमंत्री स्वयं उनकी समस्या सुन रहे हैं।जनता दर्शन में मुख्य रूप से भूमि विवाद, पेंशन, आवास, सड़क, बिजली, रोजगार एवं सामाजिक कल्याण योजनाओं से संबंधित प्रकरण अधिक आए। सभी मामलों को संबंधित विभागों को तत्काल भेज दिया गया है। कार्यक्रम के दौरान कई जरूरतमंदों को तुरंत राहत दिलाई। गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीजों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, वहीं गरीब व वंचित वर्ग के लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने का भरोसा दिया।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता दर्शन जैसे कार्यक्रम आमजन और सरकार के बीच सीधे संवाद का माध्यम हैं। सरकार जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप कार्य कर रही है और जनता दर्शन का उद्देश्य जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान है।

सम्पादकीय

पलटी मारने के उस्ताद मोदी

भारतीय राजनीति में पलटी मारने का अगर कोई रिकार्ड दर्ज होगा, तो निश्चित ही नीतीश कुमार को विजेता घोषित किया जाएगा। क्योंकि वे साल बीतते न बीतते अपने विचारों को बदल कर एक गठबंधन से दूसरे में शामिल हो जाते हैं। लेकिन नरेन्द्र मोदी तो शायद पलटी मारने में नीतीश कुमार का रिकार्ड तोड़ चुके हैं, वो भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर। अमेरिका, चीन, पाकिस्तान, कनाडा, तुर्की इन सारे देशों को लेकर नरेन्द्र मोदी ने जो भी दावे किए, वो सब कुछ ही महीनों में खुद ही खारिज भी कर दिए। निज्झर हत्याकांड में भारत पर लगे गंभीर आरोपों के बाद कनाडा से भारत के रिश्ते इतने बिगड़ चुके थे कि दोनों देशों ने एक-दूसरे के राजनयिकों को निकाल बाहर किया था। वीजा रद्द किए जा रहे थे। यहां तक कि जून में हुई जी 7 की बैठक में भी पहले श्री मोदी को विशेष आमंत्रितों में शामिल नहीं किया गया था, लेकिन फिर कनाडा के नए प्रधानमंत्री बने मार्क कार्नी ने फोन किया और श्री मोदी कनाडा चले गए। अब दोनों देशों ने फिर से अपने-अपने राजदूतों की नियुक्ति कर दी है। तुर्की के साथ भी ऐसा ही यू टर्न प्रधानमंत्री ने लिया है। ऑपरेशन सिंदूर में जानकारी सामने आई थी कि तुर्की ने भारत के खिलाफ जाकर पाकिस्तान की मदद की है, इसके बाद मोदी सरकार ने तुर्की के बहिष्कार की बात कही और श्री मोदी को अंधा समर्थन करने वालों ने तुर्की को कोसना शुरू कर दिया। देश की उन नामचीन हस्तियों को निशाने पर लिया, जिनकी तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैयब अदोर्गान से कभी मुलाकात की। लेकिन अब तीन महीने में भारत सरकार ने तुर्की और भारत की कुछ एयरलाइनों के बीच समझौते को हरी झंडी दिखा दी है। यानी बहिष्कार की अवधि तीन महीने भी नहीं रही। अमेरिका के साथ तो जबरन की नजदीकियां और खासकर डोनाल्ड ट्रंप को प्यारा दोस्त बताकर नरेन्द्र मोदी ने पूरे देश को किस आफत में डाल दिया है, ये अब वो व्यापारी ही बेहतर बता पाएंगे, जिनके कारोबार टैरिफ के कारण ठप्प हो गए हैं। व्यापार रोकने की धमकी देकर ही ट्रंप ने युद्धविराम करने का दावा किया था। लेकिन नरेन्द्र मोदी न ट्रंप को टैरिफ लगाने से रोक पाए, न युद्धविराम की बात को नाम लेकर खारिज किया, और न ट्रंप की तरफ से भारत के लगातार किए गए अपमान पर कोई जवाब दे पाए। अब श्री मोदी की छवि गढ़ने में लगा मीडिया ये साबित करने की कोशिश कर रहा है कि ट्रंप को झटका देने के लिए श्री मोदी ने तैयारी कर ली है और उनकी मौजूदा चीन यात्रा को भी इससे जोड़ा जा रहा है। जापान में बुलेट ट्रेन की सवारी के बाद नरेन्द्र मोदी चीन पहुंच गए। इधर बुलेट ट्रेन का सपना दिखाकर श्री मोदी ने हजारों-लाखों लोगों को कहीं बाढ़, कहीं भू स्खलन का शिकार होने के लिए छोड़ दिया है। बहरहाल, रविवार को नरेन्द्र मोदी ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से द्विपक्षीय मुलाकात की। सात साल बाद श्री मोदी चीन पहुंचे हैं। उनके पिछले दौरे में दोनों नेताओं ने फिल्मी संगीत का आनंद लिया था। लेकिन उसके बाद गलवान घाटी की झड़प हुई, जिसमें भारत के 20 सैनिक शहीद हुए और न जाने कितनी जमीन चीन के पास जा चुकी है, इसका कोई हिसाब सरकार ने नहीं दिया। क्योंकि नरेन्द्र मोदी ने तो कभी माना ही नहीं कि चीन ने घुसपैठ की है। उनके हिसाब से न कोई आया, न आएगा। लेकिन चीन की घुसपैठ के बारे में लद्दाख के लोग शिकायत करते हैं। पूर्वी लद्दाख में सीमा पर अप्रैल 2020 से पहले की यथास्थिति बहाल नहीं हो पाई है। वहीं चीन ने 2020 के बाद कई बार अरुणाचल प्रदेश के कई इलाकों का मंदारिन में नामकरण किया है। चीन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिणी तिब्बत कहता है। यानी उसकी तरफ से विस्तारवादी नीति जारी है और इस बीच ऑपरेशन सिंदूर में भी पाकिस्तान को भी चीन ने खुलकर मदद की। श्री मोदी जिस शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) बैठक के लिए चीन पहुंचे हैं, पाक के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ भी पहुंचे हैं। शरीफ के स्वागत के लिए बहुत से लोग पहुंचे, जबकि इक्का-दुक्का लोग नरेन्द्र मोदी को लेने पहुंचे। चीन के तियानजिन में शी जिनपिंग से द्विपक्षीय वार्ता में श्री मोदी ने कहा, श्पिछले वर्ष कजान में हमारी बहुत ही सार्थक चर्चा हुई थी। हमारे संबंधों को एक सकारात्मक दिशा मिली है। सीमा पर डिसइंगेजमेंट के बाद शांति और स्थिरता का माहौल बना हुआ है। हमारे सहयोग से दोनों देशों के 2.8 अरब लोगों के हित जुड़े हुए हैं। परस्पर विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता के आधार पर हम अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वहीं शी जिनपिंग ने कहा, हम दोनों दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश हैं और ग्लोबल साउथ का हिस्सा हैं। दोस्त बने रहना, अच्छे पड़ोसी होना, ड्रैगन और हाथी का साथ आना बहुत जरूरी है।

ट्रंप टैरिफ चुनौती के बीच अर्थव्यवस्था की ताकत बनता कृषि क्षेत्र

निर्यात के क्षेत्र में भी कृषि सेक्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। दरअसल अमेरिका और ट्रंप का निशाना हमारा कृषि क्षेत्र और डेयरी क्षेत्र प्रमुखता से हैं। अमेरिका के आगे सरेण्डर होने के स्थान पर हमारी सरकार ने ट्रंप के टैरिफ से निपटने का संकल्प लिया है यह अपने आप में बड़ी बात है। ट्रंप के टैरिफ वार के दौरान ही 2025 वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के जीडीपी के परिणाम इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाते है कि ट्रंप द्वारा हमारी अर्थव्यवस्था को मृत अर्थव्यवस्था करार देने के

बावजूद चीन से भी हमारी जीडीपी विकास दर अधिक रही है। राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन एनएसओ द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार जीडीपी 7.8 प्रतिशत रही है। यह पिछले एक साल यानी कि अप्रैल-जून 2024, जुलाई-सितंबर 2024, अक्टूबर-दिसंबर 2024 और जनवरी-मार्च 2025 की तुलना में भी अधिक है। सबसे खासबात यह है कि जीडीपी में बढ़ोतरी का श्रेय कृषि और सर्विस सेक्टर को जा रहा है। कृषि सेक्टर ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वह अर्थ व्यवस्था का प्रमुख स्तंभ है और तेजी से विकसित होती भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। निश्चित रुप से इसका श्रेय अन्नदाता को तो जाता ही है इसके साथ ही सरकार की किसानोन्मुखी और कृषिनोन्मुखी नीति को भी जाता है। कृषि और संबंध क्षेत्र जिसमें कृषि के साथ ही पशुपालन, वानिकी और मत्स्य पालन शामिल है। एक मोटे अनुमान के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का 14 प्रतिशत योगदान है तो प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रुप से 50 प्रतिशत से अधिक लोगों की आजीविका एग्रीकल्चर सेक्टर पर आज भी निर्भर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को पूरा करने में कृषि क्षेत्र में भी पीछे नहीं रहने वाला है। देश में करीब 51 प्रतिशत यानी कि 159 मिलियन हैक्टेयर भूमि में खेती हो रही है। इसमें से 50 प्रतिशत से कुछ अधिक भूमि ही सिंचित है जबकि बहुत बड़ा क्षेत्र मानसून की मेहरबानी पर निर्भर है। यह एक सकारात्मकता है कि इस साल अभी तक मानसूनी बरसात औसत से अधिक और अच्छी बरसात हुई है। पिछले सालों में भी मानसून अनुकूल रहने से कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है। कृषि और अन्नदाता की महत्ता को कोरोना काल ने बेहतर तरीके से समझा दिया है। कोरोना काल में कृषि सेक्टर ने दो तरह से सहभागिता निभाई। एक तो जहां सब कुछ लॉक डाउन की भेंट चढ़ रहा था यहां तक कि घर में कैद होकर रह गए थे तब भी कृषि सेक्टर अपनी प्रभावी भूमिका निभाता रहा वहीं दूसरी और अन्नदाता की मेहनत से देश के गोदामों में भरे खाद्यान्नों के भण्डारों ने देश में खाद्यान्न की उपलब्धता बनाये रखी। आज भी करीब 80 करोड़ देशवासियों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना में मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। यह अपने आप में बड़ी बात है। योजनाबद्ध तरीके से एक और किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे हैं वहीं खासतौर से दलहन-तिलहन में भी देश को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास जारी है। किसान सम्मान निधि किसानों के लिए बड़ा सहारा बनती जा रही हैं वहीं ब्याजमुक्त कृषि ऋण, केसीसी का बढ़ता दायरा और ई नाम मण्डी, प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा, स्टोरेज सुविधा बढ़ाने के साथ ही समय पर खाद-बीज आदि की उपलब्धता का प्रभाव सामने हैं। एनएसओ की रिपोर्ट के अनुसार कृषि क्षेत्र की जीडीपी में भागीदारी 3.7 प्रतिशत रही है जबकि साल भर पहले यह 1.5 थी। ऐसे में यह अपने आप में आशा का संचार है। निर्यात के क्षेत्र में भी कृषि सेक्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। दरअसल अमेरिका और ट्रंप का निशाना हमारा कृषि क्षेत्र और डेयरी क्षेत्र प्रमुखता से हैं। अमेरिका के आगे सरेण्डर होने के स्थान पर हमारी सरकार ने ट्रंप के टैरिफ से निपटने का संकल्प लिया है यह अपने आप में बड़ी बात है। हो सकता है कि आने वाली तिमाही में ट्रंप टैरिफ का असर दिखाई दे पर जिस तरह से सरकार द्वारा वैकल्पिक प्रयास आरंभ किये जा रहे हैं उससे लगता है कि अर्थ व्यवस्था पर नकारात्मक असर नहीं होगा या होगा भी तो देश इससे निपटने को तैयार है। 50 प्रतिशत टैरिफ की चुनौती को आज समूचा देश निपटने को तैयार है। हालांकि ट्रंप ने सोचा था कि हम सरेण्डर कर देंगे, ड़र जाएंगे पर अब गीदड़ भभकी बेअसर होती देखकर ट्रंप की खीज अवश्य बढ़ने लगी है। पर यह नहीं भूलना चाहिए कि ट्रंप को अपने देश में ही अपनी तुगलकी नीति के कारण देर सवेर मुंह की खानी पड़ेगी। हालांकि अमेरिकी कोर्ट ने ट्रंप के टैरिफ निर्णय को अनुचित करार दे दिया है। आने वाले दिनों में इसके प्रभाव अमेरिका में और अधिक दिखाई देंगे क्योंकि हम और हमारी सरकार ट्रंप की चुनौती से निपटने के लिए मानसिक रुप से तैयार हो चुकी है। खैर यह विषयांतर होगा। कहने का अर्थ है कि यह और आने वाले साल भी खेती-किसानी के लिए सकारात्मक ही होंगी। रबी के अच्छे परिणाम आये हैं। चालू खरीफ में अच्छे मानसून के चलते अच्छी बुवाई हुई है। बुवाई क्षेत्र बढ़ा है। सरकार भी बड़े लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। हालांकि यह कटु सत्य है कि ग्रामीण रहवासियों की आजीविका का प्रमुख माध्यम खेती ही है तो समूचे देश की खाद्य सुरक्षा की जिम्मेदारी भी इसी क्षेत्र के पास है। अमेरिकी नीति के कारण निर्यात पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को भी अन्य देशों को निर्यात बढ़ाकर पूर्ति करने की बड़ी चुनौती है। इसके साथ ही खेती किसानी की अपनी चुनौतियां बरकरार है। आज भी कुल कृषि उत्पादन का 10 से 15 प्रतिशत उत्पादन फसलोत्तर सुविधाओं की कमी के कारण बर्बाद हो जाता है। कृषि जोत कम होती जा रही है। बढ़ते शहरीकरण का प्रभाव भी पड़ रहा है। कृषि क्षेत्र में कोल्ड स्टोरेज, परिवहन की कोल्ड चेन और भण्डारण की बेहतर व्यवस्थाओं की दरकार है। कृषि प्रसंस्करण क्षेत्र और फूड पार्क जिस तरह से आकार लेने चाहिए थे वे ले नहीं पाये है। बीमा क्षेत्र में भी बहुत किया जाना अपेक्षित है तो कृषि उपज की खरीद व्यवस्था और एमएसपी खरीद को लेकर भी तेजी से काम किया जाना है। सरकार को एक बात समझनी चाहिए कि खेती क्षेत्र में जो भी सब्सिडी देय है उसे उत्पादकता से जोड़ा जाये यथा कृषि इनपुट या यों कहे कि खाद-बीज, कीटनाशक आदि के किट के रुप में उपलब्ध कराया जाये तो उसका लाभ अनुदानित राशि के स्थान पर इनपुट मिलने से उसका उपयोग खेती किसानी में ही होने से उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने में ही होगा। इसी तरह से खरीद व्यवस्था में बहुत सुधार के बावजूद अभी भी बहुत करते हुए बिचौलियों को व्यवस्था से दूर करना होगा। खैर यह सब दीर्घकालीन सुधार कार्य है पर बेहतर जीडीपी प्रदर्शन और कृषि क्षेत्र की उल्लेखनीय हिस्सेदारी को प्रोत्साहित करते हुए सराहना की जानी चाहिए।

ड्रैगन और हाथी की मुलाकात से वैश्विक राजनीति में बड़ी हलचल हो गयी है

चीन की वुल्फ वॉरियर डिप्लोमेसी अब नरम पड़ती दिखाई दे रही है। इसके पीछे कई कारण हैं। जैसे- चीन की धीमी होती अर्थव्यवस्था, रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों की समस्याएँ और बढ़ती युवा बेरोजगारी, जिसने नकली काम करने वाली कंपनियों तक को जन्म दिया है। तियानजिन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात को सिर्फ.औपचारिक कूटनीतिक शिष्टाचार मान लेना भूल होगी। यह दरअसल उन जटिल और उलझे रिश्तों को नया आकार देने का प्रयास था, जिन्हें पूर्वी लद्दाख में चीनी घुसपैठ ने गहरी चोट पहुँचाई थी। सीमा पर खून बहने के बाद अब बीजिंग नरमी दिखा रहा है, तो यह उसकी मजबूरी है– भारत की नहीं। भारत ने यह बार-बार साफ किया है कि रिश्ते तभी आगे बढ़ेंगे जब सीमा पर शांति होगी। मोदी ने तियानजिन में यही संदेश दोहराया कि सीमा स्थिर रहेगी तभी भरोसा टिकेगा। देखा जाये तो चीन की पंचशील वाली बात भारत के लिए खोखले आश्वासन से ज्यादा मायने नहीं रखती क्योंकि पिछले वर्षों का अनुभव यही कहता है कि बीजिंग के शब्द और जमीन पर उसका व्यवहार मेल नहीं खाते। असली सवाल अब यही है कि क्या बीजिंग अपने वादों को जमीन पर उतारेगा, या फिर एक बार फिर हाथ मिलाओ और पीछे से वार करो वाली नीति अपनाएगा? फिलहाल तस्वीरें चमकीली हैं, लेकिन भारत ने बहुत स्पष्ट कर दिया है कि रिश्तों की असली परीक्षा सीमा पर होगी, कूटनीतिक भोज या लाल कालीन पर नहीं। देखा जाये तो भारत और चीन के द्विपक्षीय संबंध शुरू से ही जटिल रहे हैं। यह 1949 से कभी गहरे मतभेदों तो कभी सीमित सामंजस्य के उतार-चढ़ाव से गुजरे हैं। पूर्वी लद्दाख में चीनी घुसपैठ से शुरू हुई कठिनाइयों के बाद अब विश्व की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ भारत और चीन, अपने संबंधों को पटरी पर लाने के इच्छुक दिख रही हैं। कजान (रूस) में पिछले वर्ष आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से यह प्रक्रिया शुरू हुई थी जिसे तिआनजिन में आगे बढ़ाया गया है। देखा जाये तो भारत हमेशा से अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को महत्व देता रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की मेरा कहना मानो वरना टैरिफ झेलो वाली नीतियों ने इस सिद्धांत की सबसे बड़ी परीक्षा ली। मोदी ने न ट्रंप की नोबेल पुरस्कार वाली हठधर्मिता को महत्व दिया, न ही उनकी टीम की उकसावे भरी बातों पर प्रतिक्रिया दी। भारत ने रूसी तेल खरीदने का निर्णय भी जारी रखा और पीछे नहीं हटा। तिआनजिन में शी जिनपिंग के साथ बैठक का सबसे बड़ा संदेश यही था कि भारत अपने निर्णय स्वतंत्र रूप से लेगा और किसी तीसरे देश की इच्छा से प्रभावित नहीं होगा। हम आपको यह भी बता दें कि चीन की वुल्फ वॉरियर डिप्लोमेसी अब नरम पड़ती दिखाई दे रही है। इसके पीछे कई कारण हैं। जैसे- चीन की धीमी होती अर्थव्यवस्था, रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों की समस्याएँ और बढ़ती युवा बेरोजगारी, जिसने नकली काम करने वाली कंपनियों तक को जन्म दिया है। हालाँकि, चीनी राजनीति में फिर से अतिराष्ट्रवाद लौट सकता है। भारत इस संभावना को समझता है और इसी कारण एलएसी पर अपनी रक्षा क्षमता मजबूत करते हुए चीन के साथ रिश्तों को नए सिरे से संतुलित कर रहा है। देखा जाये तो ट्रंप के टैरिफ ने वैश्विक व्यापार के नियम बदल दिए हैं। ऐसे में भारत को नए बाजारों की तलाश है। नई दिल्ली चाहती है कि बीजिंग भारतीय निर्यात को निष्पक्ष पहुँच दे। यह सच है कि इससे अमेरिका के बाजार में हुए नुकसान की पूरी भरपाई नहीं होगी, लेकिन व्यापार असंतुलन को चीनी निवेश से संतुलित किया जा सकता है। यदि चीन भारतीय उद्योग के लिए रेयर अर्थ मैग्नेट जैसे महत्वपूर्ण कच्चे माल की आपूर्ति फिर शुरू करता है, तो भारत दूरसंचार, रक्षा, सेमीकंडक्टर और अन्य रणनीतिक क्षेत्रों जैसी निगेटिव लिस्ट को छोड़कर बाकी क्षेत्रों में धीरे-धीरे चीनी एफडीआई की अनुमति दे सकता है। दूसरी ओर, ट्रंप-युग की उथल-पुथल में चीन को भी आर्थिक अवसरों की जरूरत है। ऐसे में वह भारत के करीब आना चाह रहा है लेकिन भारत के लिए आगे बढ़ने के दौरान सतर्कता बरतना भी जरूरी है। वैसे कुल मिलाकर देखें तो तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (रउड) शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भेंट ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के गलियारों में गहरी हलचल पैदा कर दी है। यह सिर्फ दो पड़ोसी देशों के बीच एक औपचारिक मुलाकात नहीं थी, बल्कि वैश्विक राजनीति के बदलते समीकरणों के बीच एक महत्वपूर्ण संकेत भी थी। मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि भारत की विदेश नीति किसी तीसरे देश की नजर से नहीं देखी जानी चाहिए। मोदी ने स्पष्ट कहा कि सीमा पर शांति और स्थिरता रिश्तों के लिए बीमा पॉलिसी जैसी है। दोनों पक्षों ने पिछले साल की सफल डिसएंगेजमेंट प्रक्रिया पर संतोष जताया और सीमा विवाद का श्न्यायपूर्ण, तर्कसंगत और स्वीकार्य समाधानश्र निकालने की प्रतिबद्धता दोहराई। हालाँकि, चीनी बयान ने पंचशील सिद्धांतों का हवाला देते हुए यह कहा कि सीमा विवाद पूरे रिश्तों को परिभाषित नहीं करना चाहिए। यह भारतीय दृष्टिकोण से थोड़ा भिन्न था। हम आपको बता दें कि कुछ विश्लेषकों का मानना है कि भारत-चीन निकटता से भारत-अमेरिका संबंध प्रभावित हो सकते हैं। परंतु यह दृष्टिकोण सतही है क्योंकि भारत कोई लेन-देन वाली शक्ति नहीं, बल्कि एक सभ्यतागत शक्ति है जो दीर्घकालिक दृष्टिकोण से संबंध बनाती है। लोकतांत्रिक मूल्य, बहुलतावादी समाज और मुक्त हिंद-प्रशांत के साझा हित भारत-अमेरिका साझेदारी की नींव हैं। यह साझेदारी अस्थायी मतभेदों को झेल सकती है।

मनुष्य के दखल से पृथ्वी की बदहाली

संजीव ठाकुर

महात्मा गांधी ने खुद कहा है कि पृथ्वी पर सभी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संसाधन है, किंतु मानव की लालच को पूरा करने का कोई साधन नहीं है। हमारी जरूरत रोटी, कपड़ा, मकान और जल की थी किन्तु मनुष्य की लालसा के कारण हमें उद्योग धंधों का विकास तीव्र गति से करना पड़ा, मशीनें जितनी बड़ी से बड़ी होती गई आदमी उतना ही बौना होता गया।जब हम अपने विकास का इतिहास देखते हैं तो ब्रिटिश सत्ता के दौरान हमारे संसाधनों का प्रकृति का अंधाधुंध दोहन होता रहा है। कृषि में नई नई तकनीक ट्रैक्टर, रसायनिक उर्वरक, कीटनाशकों के प्रयोग से भूमि बंजर होकर कराहाने लगी। विकास का सही मायने माननीय शक्तियों के साथ ऊर्जा और उसकी शक्ति तथा सामर्थ्य का सही उपयोग ही होगा। जब से हमने विकास के पथ पर उड़ान भरी है उद्योगों की चिमनी यों को ऊपर उठाया मोबाइल क्रांति का बटन दबाया ई-मेल पर सवार होकर विश्व संदेश को सुना तब से हमारे झरनों का कल कल स्वर और संगीत बंद हो गया, पक्षियों का कलरव बंद हो गया पक्षी अब चीत्कार कर रहे हैं। नदी नाले सूखकर मृतप्राय हो गए हैं। समुद्र की लहरों की झंकार विलुप्त हो गई है और पानी खारा और खारा हो गया है। अब हमें यह सोचना है कि विकास के नाम पर हमें ग्रीन इंडिया चाहिए या इंटरनेट की सवारी कर डिजिटल इंडिया चाहिए। बच्चों की झोली में इंटरनेट को डालकर डिजिटल जेनरेशन का सपना देखना चाहिए या साफ करते गए जैसे सड़क पर रोड रोलर चला रहे हैं। नगर बने ,महानगर बने ,मकान बने किंतु अब घर गायब होते गए, हमें तब सुध आई जब चिड़िया चुग गई खेत, हमें विकास के नाम पर मानव सभ्यता से जुड़ी जमीन पानी, की मेट्रो है,वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का लुफ्त उठाते हुए युवक युवतियां है, दूसरी तरफ पसीने से भीगा हुआ किसान हैं। कैरोसिन की चिमनी में बच्चों को कहानी सुनाती माताएं हैं। यानी कि इतनी डिजिटल विषम बताएं भारत के अलावा विश्व के किसी भी कोने में नहीं है। भारत में विकास के नाम पर डिजिटलाइजेशन करने की आवश्यकता जरूर है पर गांव जंगलों नदियों और प्राकृतिक संसाधनों के निरस्तीकरण और विनाश की कीमत पर नहीं। हमें यह साबित करना होगा कि भारत के विकास की हरित क्रांति के साथ-साथ डिजिटल इंडिया भी विकास की गति को बढ़ा रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत कि हरित क्रांति का विकास ही डिजिटल इंडिया का स्वप्न को भी पूरा करेगा। इसके लिए स्वच्छ साफ-सुथरे संसाधन जैसे जल, खनिज, यूरेनियम ,थोरियम नहीं होगा तब तक नाभिकीय रिएक्टर की भट्टीयां कैसे चलेंगी। किसी कवि ने कहा है, जो घर बनाओ तो एक पेड़ भी लगा लेना, पंछी सारे उपवन के चहचहा उठेंगे। विकास का जो भी रास्ता या नक्शा हम तैयार करेंगे निश्चित तौर पर वह मार्ग हरित क्रांति या हरित विकास से होकर गुजरेगा, जिससे हम अपनी 141 करोड़ जनसंख्या को स्वच्छ वातावरण दे पाएंगे और एक नए भारत की कल्पना को साकार कर पाएंगे।

प्रकृति की गोद में सुगंधित वायु की लहरों में खो जाना चाहिए। झरनों में बैठकर नौका विहार का आनंद लेना चाहिए या कंप्यूटर में बैठकर नेट खोल कर नन्हे मुन्ने की आंखों पर जोर डालकर उन्हें चश्मा वाला बनाना चाहिए। हरा भरा हिंदुस्तान यानी कि ग्रीन इंडिया और डिजिटल इंडिया का सपना नदी के दो कभी ना मिलने वाले किनारे हैं। विकास के नाम पर असीमित उद्योग धंधों की बाढ़ आ गई है। भूमि समाप्त हो रही है साथ ही हमारी वायु विषैली हो गई है। रात में शहरी मकानों मैं बिजली के झालरों के सामने आकाश में रात्रि के तारों की चमक फीकी पड़ गई है। जंगलों को हम ऐसे हरियाली,पक्षी जानवर सब चाहिए केवल अंधाधुन्ध कंक्रीट का विकास या इंटरनेट की रफ्तार नहीं चाहिए। इसके लिए हमें संसाधनों के अंधाधुंध प्रयोग पर अंकुश लगाना होगा। संसाधनों का इस्तेमाल अतिरेक में नहीं होना चाहिए। हम प्राकृतिक परियोजना तथा परिस्थितिकी की परियोजनाओं का स्वागत करना होगा सम्मान करना होगा। हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर, पवन, बायोगैस, ज्वार तरंग लहरों को ऊर्जा का आधार बनाना होगा। भारत में परिस्थितियां बड़ी विषम है एक तरफ सोडियम लाइट से नहाती दिल्ली ,मुंबई ,बेंगलुरु की रंगीन सड़कें हैं, ऊंची ऊंची इमारतें हैं, तेज गति

जीवन रक्षक पहल

कैसी विडंबना है कि जो हेलमेट दुर्घटना में हमारे जीवन की रक्षा करता है, उसे पहनाने के लिये सरकार को सख्ती करनी पड़ रही है। जब तमाम दिशा-निदेर्शों की अवहेलना तथा जुमार्ने की अनदेखी करके लोग बिना हेलमेट का सफर करने की जिद दिखाते हैं तो निश्चय ही सरकारों को सख्ती करनी पड़ती है। ये आने वाला वक्त ही बताएगा कि उत्तर प्रदेश सरकार की हेलमेट नहीं तो पेट्रोल नहीं मुहिम कितनी प्रभावी साबित होती है। हम यह जानते हैं कि दोपहिया वाहन पर चलना जितना सुविधाजनक है, उतना ही दुर्घटना की दृष्टि से बेहद संवेदनशील भी। कोई गिरता है तो चोट लगना निश्चित है। खतरा ये होता है कि हमारे गिरने पर पीछे से आ रहा तेज वाहन चाहकर भी गिरने वाले को बचा नहीं पाता। देश में हर साल लाखों दोपहिया वाहन चालक दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं, कुछ दुर्भाग्यशाली बच नहीं पाते। लेकिन यदि हेलमेट लगा हो तो जीवित बचने की संभावना बहुत अधिक बढ़ जाती है। इस हकीकत को जानते हुए भी कि देश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में तीस फीसदी शिकार दोपहिया वाहन चालक ही होते हैं, इस दिशा में लोग गंभीरता नहीं दिखाते। विडंबना यह भी है कि बहुत से लोग हेलमेट लगाते भी हैं तो सस्ते, और उसे भी टशन में लगाने से बचते हैं। विश्वास किया जाना चाहिए कि उत्तर प्रदेश सरकार की जीवन रक्षा की यह मुहिम रंग लाएगी। उम्मीद करें कि एक सितंबर से शुरू होने वाले इस अभियान को दोपहिया वाहन चालकों का सकारात्मक प्रतिसाद मिलेगा। निस्संदेह, दोपहिया वाहन चालकों की सड़क दुर्घटना में होने वाली मौत की वजह हेलमेट न लगाना या फिर अच्छी गुणवत्ता का हेलमेट ठीक से न पहनना होता है। कई लोग चालान से बचने के लिये औपचारिकता के लिए सस्ता हेलमेट पहन लेते हैं, जो पहनने के बावजूद बचाव नहीं कर पाता। या फिर गिरने की स्थिति में खुलकर अन्यत्र गिर जाता है। सवाल उठता है कि यातायात नियमों के अनुसार अनिवार्य होने के बावजूद लोग हेलमेट को गंभीरता से क्यों नहीं लेते? ऐसी लापरवाही जिसकी कीमत उन्हें जान देकर चुकानी पड़ सकती है। कुछ लोग जीवनपर्यंत विकलांगता के शिकार भी हो जाते हैं। फिर भी ऐसी लापरवाही समझ से परे है। एक हकीकत यह भी है कि यातायात पुलिस भी शुरू से ही ऐसी सख्ती नहीं दिखाती कि कोई बिना हेलमेट के वाहन न चला सके। एक संकट यह भी है कि पिछली सीट पर बैठी महिलाएं हेलमेट नहीं पहनती हैं। जबकि हादसे होने की स्थिति में वे भी शिकार बनती हैं। कुछ को अपने बालों के खराब होने की चिंता होती है। क्या जीवन से बड़ी कोई चीज हो सकती है? लेकिन विडंबना यह कि तमाम प्रयासों के बावजूद हम हेलमेट पहनने को लेकर जिम्मेदारी का भाव जगाने में कामयाब नहीं हो पाते। एक आंकड़े के अनुसार, बीते साल तीस हजार लोगों की मौत हेलमेट न पहनने के कारण हुई। फिर भी हम हकीकत को नजरअंदाज करते हैं। उम्मीद है उत्तर प्रदेश सरकार की मुहिम रंग लाएगी।

आज से बदल गए हैं कई नियम; एलपीजी, एटीएम चार्ज और एफडी ब्याज दरों में बड़े बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक सितंबर यानी आज (सोमवार) से कई नियम बदल गए हैं। इनकी जगह अब नए नियम लागू हो गए हैं। इन नियमों से आपके घर के बजट और रोजमर्रा के खर्चों पर अच्छा खासा असर पड़ेगा। चांदी की हॉलमार्किंग, एलपीजी की कीमतों में संशोधन, एटीएम निकासी शुल्क और फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) की ब्याज दरों में संभावित कमी जैसे बदलाव सीधे उपभोक्ताओं पर असर डालेंगे। एलपीजी की कीमतों में उतार-चढ़ाव हर महीने की पहली तारीख को तेल कंपनियां घरेलू एलपीजी सिलेंडर की नई दरें घोषित करती हैं। 1 सितंबर को भी कीमतों में बदलाव होगा, जो वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों और कंपनी की गणनाओं पर निर्भर करता है। कुछ बैंक एटीएम उपयोग पर नए नियम लागू करेंगे। निर्धारित मासिक सीमा से अधिक निकासी करने वाले ग्राहकों को उच्च लेनदेन शुल्क देना पड़ सकता है। कई बैंक सितंबर में जमा दरों पर ब्याज की समीक्षा करेंगे।

कपिल शर्मा की ऑनस्क्रीन बीवी पर दिनदहाड़े हुआ हमला

बुरी तरह डरी एक्ट्रेस

द कपिल शर्मा शो में अपने समय के लिए लोकप्रिय अभिनेत्री सुमोना चक्रवर्ती ने हाल ही में एक परेशान करने वाली घटना साझा की। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में खुलासा किया कि 31 अगस्त को दक्षिण मुंबई में मराठा आरक्षण प्रदर्शनकारियों ने दिनदहाड़े उनकी कार पर हमला किया। उनका कहना है कि मुंबई में पहली बार, उन्होंने असुरक्षित महसूस किया, जिससे वह बहुत परेशान थीं। सुमोना ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक लंबा नोट लिखा जिसमें उन्होंने उस घटना का वर्णन किया जिससे वह असुरक्षित महसूस कर रही थीं। उन्होंने दावा किया कि एक आदमी ने उनके बोनट पर धक्का मारा जबकि अन्य ने कार की खिड़कियों पर हाथ मारा। द कपिल शर्मा शो की अभिनेत्री ने फिर मुंबई की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाया। वो इस पूरे वाकया का एक वीडियो भी रिकॉर्ड करना चाहती थीं, लेकिन उन्हें डर था कि कहीं वहां मौजूद प्रदर्शनकारी और ज्यादा ना भड़क उठें। सुमोना ने अपने पोस्ट में लिखा- आज दोपहर के 12.30 बजे, मैं कोलाबा से फोर्ट जा रही थी और अचानक मेरी कार को एक भीड़ ने रोक लिया। नारंगी रंग का स्टोल पहने एक आदमी मेरे बोनट पर जोर-जोर से मार रहा था, मुस्कुरा रहा था। अपना निकला हुआ पेट मेरी कार से सटा रहा था। मेरे सामने ऐसे झूम रहा था जैसे कोई बेतुकी बात साबित कर रहा हो। उसके दोस्त मेरी खिड़कियों पर जोर-जोर से पीट रहे थे, जय महाराष्ट्र चिल्ला रहे थे और हंस रहे थे। हम थोड़ा आगे बढ़े और फिर वही सब दोहराया। सुमोना चक्रवर्ती ने आगे लिखा- मुंबई का मेरा सफर मेरी जिंदगी का हिस्सा रहा है, खासकर मैं साउथ मुंबई में खुद को हमेशा से महफूज महसूस करती आई थी. लेकिन आज, दिन-दहाड़े अपनी गाड़ी में बैठे-बैठे, पहली बार डर का एहसास हुआ, एकदम असुरक्षित महसूस किया, बिल्कुल कमजोर.श। उन्होंने कहा कि वह लकी फील कर रही हैं कि उनके पास उस वक्त एक मेल फ्रेंड मौजूद था।

सनी देओल और बॉबी ने मॉम प्रकाश कौर के बर्थडे पर लुटाया प्यार

मां-बेटों की बॉन्डिंग देख कलेजे को पड़ जाएगी ठंडक

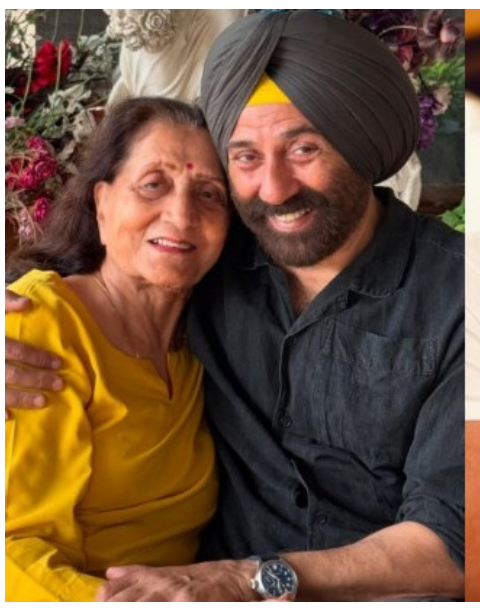

बॉलीवुड एक्टर धर्मेंद्र की पहली पत्नी प्रकाश कौर का आज जन्मदिन है। इस खास मौके पर उनके दोनों बेटे सनी देओल और बॉबी देओल ने अपनी मां को प्यार भरे अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी है। मां के लिए किए एक्टर्स के ये पोस्ट अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं। सनी देओल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर मां प्रकाश कौर के साथ दो तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में सनी अपनी मां के साथ भावुक पल बिताते नजर आ रहे हैं। पोस्ट के कैप्शन में सनी ने लिखा हैप्पी बर्थडे मम्मा, लव यू वहीं, बॉबी देओल ने भी इंस्टाग्राम पर मां के साथ दो तस्वीरें पोस्ट कीं। एक तस्वीर में बॉबी और उनकी मां साथ में हैं, जबकि दूसरी फोटो में सनी, बॉबी और उनकी मां तीनों साथ नजर आ रहे हैं। पोस्ट के कैप्शन में बॉबी ने लिखा लव यू मां, हैप्पी बर्थडे इन तस्वीरों में मां-बेटों का गहरा प्यार और जुड़ाव साफ दिखाई दे रहा है। बता दें, धर्मेंद्र ने साल 1954 में प्रकाश कौर से पंजाबी रीति-रिवाजों के अनुसार शादी की थी। उस समय प्रकाश की उम्र केवल 19 साल थी। ये एक अरेंज मैरिज थी। इस शादी से उन्होंने चार बच्चों सनी देओल, बॉबी देओल, अजेता और विजेता का स्वागत किया। शादी के लगभग 26 साल बाद, धर्मेंद्र ने हेमा मालिनी से शादी कर ली थी। उस समय यह खबर बहुत चर्चा में रही। हालांकि, इस फैसले से प्रकाश कौर और उनके बच्चों को गहरा झटका लगा था, फिर भी प्रकाश कौर ने धर्मेंद्र से तलाक नहीं लिया।

हम दोनों की अधूरी ख्वाहिश पूरी हो गई लाइफ का पहला नेशनल अवॉर्ड पाकर खुशी से झूमे शाहरुख-रानी

रोमांस किंग शाहरुख खान को फिल्म श्जवानश् के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला। शाहरुख खान का ये पहला नेशनल अवॉर्ड हैं। वहीं एक्ट्रेस रानी मुखर्जी को भी फिल्म श्मिसेज चटर्जीश् के लिए पहला नेशनल अवॉर्ड मिला है। नेशनल अवॉर्ड पाकर दोनों ही एक्टर बहुत खुश हैं। अब दोनों ने साथ में इस खुशी को शेयर किया। उन्होंने डांस करते हुए अपनी खुशी एंजॉय की। इस वीडियो में शाहरुख खान ने बेटे आर्यन की फिल्म द बेड्स ऑफ बॉलीवुड के गाने तू पहली तू आखिरी को प्रमोट किया। वीडियो में शाहरुख खान को ब्लू टीशर्ट, डेनिम जींस और कैप लगाए दिखे। वहीं रानी मुखर्जी भी व्हाइट शर्ट और जींस में दिखीं। उन्होंने अपने लुक को कैजुअल रखा।शाहरुख खान ने पोस्ट कर लिखा- नेशनल अवॉर्ड... हम दोनों की अधूरी ख्वाहिश पूरी हो गई। बधाई हो रानी। आप क्वीन हैं और आपसे हमेशा प्यार है। शाहरुख खान और रानी मुखर्जी ने साथ में फिल्म कुछ कुछ होता है में काम किया है। ये फिल्म ब्लॉकबस्टर हिट हुई थी। इसके अलावा दोनों कभी अलविदा ना कहना, चलते चलते, कल हो ना हो जैसी फिल्मों में भी साथ दिखे।

बिग बॉस: कुनिका सदानंद से छीनी गई कैप्टेंसी

अश्नूर कौर को मिली इम्युनिटी

बिग बॉस 19 के घर ने इस हफ्ते का पहला बड़ा ट्विस्ट देखा, जब ड्रामेटिक असेंबली रूम सेशन के दौरान घर का माहौल गरमा गया। सीजन की पहली कैप्टन कुनिका की किस्मत उस समय वोट पर टिकी, जब बिग बॉस ने घरवालों से पूछा क्या कुनिका इस हफ्ते नॉमिनेशन लिस्ट से सेफ रहने की हकदार हैं? घरवालों के जबरदस्त फैसले में 12 कंटेस्टेंट्स ने उनके खिलाफ वोट दिया। इसके बाद बिग बॉस ने घोषणा की कि कुनिका से कैप्टेंसी छीन ली गई है, उन्हें इस हफ्ते कोई इम्युनिटी नहीं मिलेगी और अब वे घरवालों द्वारा नॉमिनेट की जा सकती हैं। नतीजे का ऐलान करते हुए बिग बॉस ने कहा श्घरवाले कुनिका को कैप्टन नहीं मानते, इसलिए उन्हें इम्युनिटी भी नहीं मिलनी चाहिए। घर की पहली कैप्टन पूरी तरह फेल हो गई हैं। अब कोई कैप्टन नहीं होगा और घर को मिलकर घरवाले ही संभालेंगे। इसके बाद फोकस इस बात पर शिफ्ट हुआ कि कंटेस्टेंट्स में से किसे इम्युनिटी दी जाए। काफी चर्चा के बाद अश्नूर और अभिषेक दो दावेदार बनकर सामने आए। अंततः बहुमत का वोट अश्नूर के पक्ष में गया और उन्हें इस हफ्ते के नॉमिनेशन से सेफ्टी मिल गई। कुनिका की अथॉरिटी खत्म होने और अश्नूर को प्रोटेक्शन मिलने के साथ ही घर का पावर बैलेंस पूरी तरह बदल गया है। अब आने वाले दिनों में नई दोस्तियां, गरमागरम दुश्मनी और अनपेक्षित ड्रामा देखने को मिलेगा।

अनुराग कश्यप की निशानची का म्यूजिक एल्बम हुआ लॉन्च

निशानची का म्यूजिक एल्बम कई टैलेंटेड आर्टिस्ट्स के साथ बनाया गया है। इसमें म्यूजिक दिए हैं अनुराग साइकिया, मनन भारद्वाज, ध्रुव घानेकर, ऐश्वर्य ठाकरे और निशिकर छिब्बर ने। गानों को अपनी आवाज से सजाया है अरिजीत सिंह, मधुबंती बागची, ऐश्वर्य ठाकरे और कई और सिंगर्स ने। वहीं इसके बोल प्यारे लाल यादव, मनन भारद्वाज, शश्वत द्विवेदी और दूसरे गीतकारों ने लिखे हैं। अनुराग कश्यप द्वारा डायरेक्टेड फिल्म निशानची को अजय राय और रंजन सिंह ने जार पिक्चर्स के बैनर तले, फ्लिप फिल्म्स के सहयोग से बनाया गया है। इस फिल्म के साथ ऐश्वर्य ठाकरे अपने एक्टिंग डेब्यू करने जा रहे हैं। फिल्म में वो हाई-ऑक्टेन डबल रोल में नजर आने वाले हैं। इसके साथ ही फिल्म में उनके साथ वेदिका पिंटो लीड रोल में नजर आने वाली हैं, जिसके साथ मोनिका पांवर, मोहम्मद जीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा भी अहम भूमिकाओं में दिखेंगे। निशानची भारत भर में इस 19 सितंबर सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। अमेजन एमजीएम स्टूडियोज इंडिया और जी म्यूजिक कंपनी ने आज अनुराग कश्यप डायरेक्टेड सबसे ज्यादा इंतेजार की जाने वाली फिल्म निशानची का ऑफिशियल म्यूजिक एल्बम लॉन्च कर दिया है। बता दें कि इस म्यूजिक एल्बम में कुल 15 ओरिजिनल गाने शामिल हैं, जो जोश से भरे ट्रैक से लेकर प्यार, बगावत और गहरी भावनाओं को छूने वाले हैं। यह एल्बम फिल्म के बेबाक और बिंदास अंदाज को दिखाता है, जिसमें हर मूड और हर पल के लिए एक गाना मौजूद है। निशानची का छिब्बर की कंपोजिशन्स शामिल हैं। वहीं इसके खूबसूरत और चुलबुले बोल

साउंडट्रैक मशहूर और उभरते म्यूजिकल टैलेंट्स का एक अनोखा संगम है। इसमें अनुराग सैकिया, मनन भारद्वाज, ध्रुव घाणेकर, ऐश्वर्य ठाकरे और निशीकर शश्वत द्विवेदी, मनन भारद्वाज, डॉ. सागर, ऐश्वर्य ठाकरे, प्यारे लाल यादव, वरुण ग्रोवर और रेनू छिब्बर ने लिखे हैं। इस डाइवर्स एल्बम को आवाज दी है अरिजीत सिंह, मधुबंती बागची, मनन भारद्वाज, प्राजक्ता शुकरे, हिमानी कपूर, भूपेश सिंह, राहुल यादव, विजय लाल यादव, ऐश्वर्य ठाकरे, उपेंद्र यादव, श्रेया सुंदररमन, सुकन्या दास, देवेंद्र कुमार, वंदना सिन्हा, कल्पना पटोवारी, अलाया घाणेकर और अमाला घाणेकर ने। कहना होगा कि हर गायक ने अपने गानों में जान लगाने के साथ अपना खास अंदाज भी जोड़ा है। निशांची का म्यूजिक एल्बम सिर्फ एक साउंडट्रैक नहीं है बल्कि ये फिल्म की धड़कन है। बोल्ड, रॉ और बिंदास अंदाज में ये खुद एक किरदार की तरह जिंदा है, जो शहर और उसके लोगों की रूह को दशार्ता है। सरम लागेला की थुमका वाली एनर्जी से लेकर अरिजीत सिंह के गाए मधुर बिरवा तक, मिट्टी की खुशबू लिए पिजन कबूतर और लोकसंगीत से सजे झूले झूले पालना जैसा हर गाना अपनी अलग पहचान रखता है और मिलकर एक दमदार म्यूजिकल कहानी बुनता है। वहीं, पहले रिलीज हुए नींद भी तेरी जैसे दिल छू लेने वाले ट्रैक और देसी अंदाज में गाया गया डियर कंट्री पहले ही सुनने वालों के दिल में जगह बना चुके हैं। ऐसे में ये पूरा एल्बम एक यादगार म्यूजिकल एक्सपीरियंस देने का वादा करता है। अरिजीत सिंह ने अपना अनुभव बताते हुए कहा, बिरवा ऐसा गाना है जो दिल में रह जाता है। मेरे लिए इसे गाना उस एहसास को जीने जैसा था, और वही सच्चाई लिस्नर्स तक भी पहुँचती है। ऐसे में, निशानची के म्यूजिक कंपोजर्स में से एक अनुराग सैकिया ने कहा है कि, निशानची के लिए म्यूजिक बनाना मेरे लिए बहुत खास सफर रहा। हर गाने की अपनी दुनिया है, लेकिन सब एक ही कहानी से जुड़े हैं। फिल्म देखो एक एक्सपेरिमेंट से बना था, शश्वत द्विवेदी और मधुबंती बागची के साथ के साथ बिना रोक-टोक वाला जैम हुआ। ये फिल्म से इतना सही जुड़ा हुआ लगा कि ये अपने आप टाइटल ट्रैक बन गया, जैसे ऑडियंस को सिनेमा के जादू में कदम रखने का इन्विटेशन हो। दूसरी ओर, बिरवा उससे बिल्कुल अलग है यानी जमीन से जुड़ा और दिल से बिल्कुल करीब। डॉ. सागर द्वारा इतने दमदार तरीके से लिखे गए गाने को जब अरिजीत सिंह ने अपनी आवाज से सजाया तो वो और भी खास हो गया। हमने कई दिन सिर्फ यही ढूंढने में लगाए कि गाने का सही टोन क्या होना चाहिए, कभी जल्दीबाजी नहीं की, क्योंकि मकसद सिर्फ एक गाना बनाना नहीं था, बल्कि कुछ ऐसा बनाना था जो लोगों के साथ रह जाए। और अनुराग कश्यप के साथ ब्रीफ तो इतना कमाल का था, जैसे दिल जो कहे वही करो। ऐसी आजादी बहुत कम मिलती है, और ये आपको अपना सौ प्रतिशत देने के लिए मजबूर करती है। अजय राय और रंजन सिंह के प्रोडक्शन हाउस जार पिक्चर्स के बैनर तले बनी यह फिल्म, फ्लिप फिल्म्स के साथ एसोसिएशन में बनाई गई है।

बीमा क्षेत्र में 100 फीसदी एफडीआई नीति जल्द होगी लागू; डिश टीवी पर 11.38 लाख रुपये जुमार्ना

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्रालय ने बीमा क्षेत्र में 100 फीसदी विदेशी प्रत्यक्ष निवेश यानी एफडीआई को शीघ्र लागू करने के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। अब संसद की मंजूरी का इंतजार है। अधिसूचना के अनुसार, अधिसूचना के अनुसार, विदेशी बीमा कंपनियां 74 फीसदी की मौजूदा निवेश सीमा को 100 फीसदी तक कर सकती हैं। भारतीय बीमा कंपनी के विदेशी निवेश प्रस्तावों को बीमा अधिनियम, 1938 के अनुसार चुकता इक्विटी पूंजी के लिए स्वचालित मार्ग से अनुमति दी जाएगी। यह भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) के सत्यापन के अधीन होगा। केंद्र ने फरवरी के बजट में घोषणा की थी कि बीमा क्षेत्र में एफडीआई की सीमा 74 फीसदी से बढ़ाकर 100 फीसदी की जाएगी। इस कदम से घरेलू बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेश को बढ़ावा मिलेगा और प्रतिस्पर्धा भी बढ़ेगी। डिश टीवी पर 11.38 लाख रुपये जुमार्ना डायरेक्ट-टू-होम ऑपरेटर डिश टीवी पर स्टॉक एक्सचेंजों ने 11.38 लाख रुपये जुमार्ना लगाया है। इसमें एनएसई और बीएसई ने 5.69-5.69 लाख का दंड लगाया है। कंपनी के बोर्ड की संरचना को लेकर कार्रवाई की गई है।

अभूतपूर्व संकट के दौरान, उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल ने फंसे हुए यात्रियों को निकालने की चुनौती का डटकर सामना किया और अटूट प्रतिबद्धता का परिचय दिया

नई दिल्ली,: अभूतपूर्व विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए, जम्मू मंडल ने उल्लेखनीय लचीलापन और अटूट दृढ़ संकल्प का परिचय दिया है। लगातार भारी बारिश, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ के कारण कई स्थानों पर जो एक बड़ा व्यवधान शुरू हुआ, वह समन्वित कार्रवाई, निस्वार्थ सेवा और करुणा की शक्ति का प्रमाण बन गया। शुरूआती दिन बहुत कठिन थे। रेल यातायात बाधित था, प्रमुख राजमार्ग अवरुद्ध थे, और कई इलाकों में बिजली और संचार लाइनें ठप थीं। माता वैष्णो देवी जाने वाले तीर्थयात्रियों सहित हजारों यात्री फंसे हुए थे। व्यवधान का विशाल पैमाना किसी भी व्यवस्था को ध्वस्त करने के लिए पर्याप्त होता, लेकिन जम्मू मंडल ने चुनौती का डटकर सामना किया। इसका नेतृत्व समर्पित कर्मचारियों ने किया, जिन्होंने अथक परिश्रम किया और जनता की भलाई को अपनी सुविधा से पहले रखा। जम्मू तवी, श्री माता वैष्णो देवी कटरा और पठानकोट रेलवेस्टेशनों पर, रेलवे कर्मचारियों ने राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और जिला प्रशासन के साथ मिलकर समर्पित सहायता केंद्र स्थापित किए। वे केवल जानकारी ही नहीं दे रहे थे; बल्कि वे चिंतित और फंसे हुए यात्रियों के लिए आशा की किरण भी थे। उन्होंने भोजन, पानी और अस्थायी आवास की व्यवस्था की, अक्सर स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों और नागरिक समाज समूहों की मदद से, जो उनके प्रयासों में सहयोग के लिए आगे आए। उन्होंने विशेष ट्रेनों के संचालन के लिए चौबीसों घंटे काम किया और हजारों यात्रियों को उनके गंतव्य तक सफलतापूर्वक पहुँचाया। रेलवे अधिकारियों द्वारा व्यक्तिगत रूप से यह सुनिश्चित करना कि हर फंसे हुए व्यक्ति की देखभाल की जाए, उनकी प्रतिबद्धता का एक सशक्त प्रतीक बन गया। यह वीरतापूर्ण प्रयास कोई अकेला प्रदर्शन नहीं था। यह अन्य मंडलों और एजेंसियों के सहयोग का एक संयोजन था। रेलवे प्रशासन ने भी न केवल संकट के प्रबंधन में, बल्कि अपने कर्मचारियों की देखभाल में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कर्मचारियों पर पड़ रहे भारी दबाव को समझते हुए, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक और जम्मू के मंडल रेल प्रबंधक सहित वरिष्ठ अधिकारी जमीनी स्तर पर मौजूद थे, व्यक्तिगत रूप से परिचालन की निगरानी कर रहे थे और टीमों का मनोबल बढ़ा रहे थे। रेलवे प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया कि कर्मचारियों के पास आवश्यक संसाधन उपलब्ध हों और उनकी भलाई सर्वोच्च प्राथमिकता हो। ऊपर से नीचे तक मिले इस प्रत्यक्ष समर्थन ने साझा उद्देश्य की भावना पैदा की और इसमें शामिल सभी लोगों के संकल्प को मजबूत किया। इस कठिन समय में जम्मू मंडल की कहानी मानवता के लिए एक बेहतरीन उदाहरण है। यह एक समुदाय के एकजुट होने, सरकारी निकायों के निर्बाध सहयोग और दूसरों की सेवा के लिए अपने कर्तव्य से ऊपर उठकर काम करने वाले व्यक्तियों की कहानी है। यह हमें याद दिलाता है कि सबसे कठिन समय में भी, सेवा और करुणा की भावना प्रज्वलित हो सकती है, और एक बड़े व्यवधान को मानवीय लचीलेपन के एक शक्तिशाली प्रमाण में बदल सकती है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।